मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 271
बुधवार, 23 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पहलगाम में आतंकी हमला, 26 पर्यटकों की मौत

●जम्मू-कश्मीर में हाई अलर्ट
●टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में मशहूर टूरिस्ट प्लेस पहलगाम में मंगलवार दोपहर को बड़ा टेरर अटैक हो गया। यहां आतंकवादियों ने टूरिस्टों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। आतंकवादियों की संख्या तीन से चार बताई जा रही है जो सेना और पुलिस जैसी वर्दी में थे। सभी के पास एके-47 और अन्य हथियार थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस की तरफ से खबर लिखे जाने तक 26 लोगों की मौत हो गई है। इनमें विदेशी पर्यटक भी शामिल हो सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि हमले के तुरंत बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव, आईबी चीफ, सीआरपीएफ और बीएसएफ डीजी, आर्मी के टॉप अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग की। इस हाई लेवल मीटिंग के तुरंत बाद गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना हो गए। उनके अलावा अन्य तमाम सिक्योरिटी फोर्सेज के चीफ और अन्य आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि गृह मंत्रालय, आर्मी, बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईबी अधिकारियों के बीच हुई मीटिंग में इस आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए कहा गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान समर्थिक आतंकवादी ग्रुप लश्कर-ए-तैबा के मुखौटा टेरर ग्रुप ह्यद रेजिस्टेंस फ्रंटह्ल यानी टीआरएफ की तरफ से इस हमले की जिम्मेदारी ली है। लेकिन जांच की जा रही है कि इसके पीछे टीआरएफ ही है या फिर लश्कर या कोई और। टीआरएफ ने एक पेज के अपने संदेश में यह भी लिखा है कि जम्मू-कश्मीर में गैर स्थानीय लोगों को बसाया जा रहा है। यहां अवैध रूप से बसने की कोशिश करने वाले बाहरी लोगों के खिलाफ ऐसे ही हिंसा की जाएगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जिस जगह यह हमला हुआ। वहां सड़क मार्ग नहीं है। वहां पैदल और खच्चरों से ही आया-जा सकता है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमला साउथ कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में बैसरन घाटी के पास उंचाई पर हुआ है। टूरिस्टों पर यह आतंकी हमला मिनी स्विटजरलैंड कहे जाने वाले बैसरन इलाके में मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे हुआ। बताया जा रहा है कि आतंकी बैसरन घाटी के पहाड़ से नीचे उतरे और वहां घुड़सवारी करते टूरिस्टों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। वह आर्मी की वर्दी में थे। हमले में कुछ स्थानीय लोग और घोड़ों को भी गोली लगी है। सूत्रों का कहना है कि हमले में अपना पति खो चुकी महिला का दावा है कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोली मारी। यह हमला पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने से पहले सोचविचाकर किया गया लगता है।

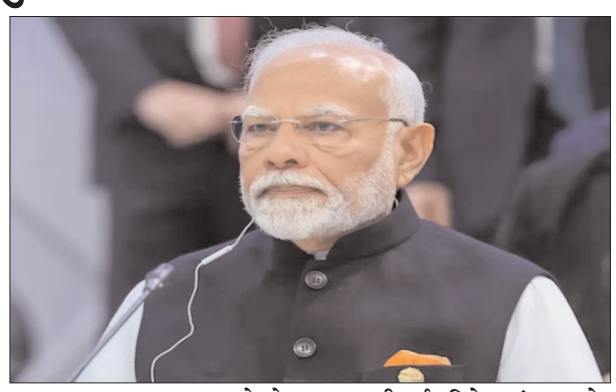

सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़ भारत लौट रहे पीएम मोदी, दिल्ली पहुंचते ही होगी सीसीएस की बैठक

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को भारत ने किस गंभीरता से लिया है इसका पता इस बात से चलता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना सऊदी अरब का दौरा बीच में ही रद करके भारत लौटने का फैसला किया है। वह तुरंत भारत लौट रहे हैं। स्वदेश लौटते ही वह सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाएंगे और उसमें आतंकी हमले से उपजी स्थिति पर मंत्रणा की जाएगी। प्रधानमंत्री दो दिवसीय यात्रा पर मंगलवार दोपहर सऊदी अरब के शहर जेद्दा पहुंचे थे। उनके वहां पहुंचने के कुछ ही घंटे बाद पहलगाम आतंकी हमला की सूचना आई। प्रधानमंत्री मोदी लगातार हमले से जुड़े एक-एक घटनाक्रम पर नजर रख रहे थे। प्रधानमंत्री के साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी हैं। इनके बीच भी लगातार विमर्श होता रहा। इसके बाद सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान तक भी सूचना भेजी गई और स्थिति को देखते हुए दौरे को मंगलवार रात में ही समाप्त करने के बारे में बात की गई। विदेश मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों ने रात्रि के 11 बजे बताया, 'सऊदी अरब और भारत के बीच अभी उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता का दौर चल रहा है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी भारत के लिए रवाना हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी और उनके दल के सदस्यों का विमान बुधवार सुबह भारत पहुंचेगा।

'न संसद, न कार्यपालिका, संविधान सर्वोच्च है', उपराष्ट्रपति धनखड़ के बयान पर कपिल सिब्बल का पलटवार

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने एक बार फिर से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि न तो संसद और न ही कार्यपालिका बल्कि संविधान सर्वोच्च है। सिब्बल ने यह भी दावा किया कि अदालत ने जो कुछ भी कहा वह देश के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप था और राष्ट्रीय हित से प्रेरित था। सिब्बल की टिप्पणी एक्स पर पोस्ट के तुरंत बाद आई जब धनखड़ ने कहा कि संवैधानिक प्राधिकरण द्वारा बोला गया हर शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित से निर्देशित होता है।

हाल ही में शीर्ष अदालत की एक पीठ ने भारत के राष्ट्रपति को राज्यपालों द्वारा उनकी मंजूरी के लिए आरक्षित विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए तीन महीने की समयसीमा निर्धारित की है। निर्देश पर प्रतिक्रिया देते हुए धनखड़ ने कहा कि न्यायपालिका ₹सुपर संसद₹ की भूमिका नहीं निभा सकती और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में नहीं आ सकती। कपिल सिब्बल ने एक्स पर लिखा कि न संसद, न कार्यपालिका सर्वोच्च है। संविधान सर्वोच्च है। संविधान के प्रावधानों की व्याख्या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जाती है। इस देश ने अब तक कानून को इसी तरह समझा है!

दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, धनखड़, जो राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने कहा कि संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया हर शब्द राष्ट्र के सर्वोच्च, उदात्त हित से निर्देशित होता है। उन्होंने कहा, ₹मुझे यह बात दिलचस्प लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि संवैधानिक पद औपचारिक और सजावटी हो सकते हैं। इस देश में हर किसी की भूमिका के बारे में गलत समझ से कोई भी दूर नहीं हो सकता है - चाहे वह संवैधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक।

ईडी ने 573 करोड़ के सिक्योरिटीज बॉन्ड व डीमैट खाते किए जब्त

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव बेटिंग ऐप मामले में छापेमारी कर 3.29 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की, 573 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की प्रतिभूतियां, बांड और डीमैट खाते फ्रीज किए। जांच एजेंसी ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए। 16 अप्रैल को जांच एजेंसी के रायपुर जोनल कार्यालय ने महादेव बेटिंग ऐप मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर (ओडिशा) स्थित विभिन्न परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी में शामिल संस्थाओं में विकास इकोटेक लिमिटेड, जेटीएल इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट लिमिटेड (आईआईटीएल), ईजमाईट्रिप और अन्य शामिल थे।

ईजमाईट्रिप के प्रवक्ता ने ताजा जब्ती पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उसका महादेव बेटिंग ऐप से कोई संबंध नहीं है।

ईजमाईट्रिप के प्रवक्ता ने कहा हालांकि ईजमाईट्रिप का महादेव बेटिंग ऐप या किसी अन्य सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के साथ कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है, फिर भी हम जांच के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। सूत्रों ने बताया कि विकास इकोटेक के परिसर में बड़ी मात्रा में नकदी, बॉन्ड और प्रतिभूतियां पाई गईं, जिनमें आपत्तिजनक दस्तावेज भी शामिल हैं, जिससे शेल संस्थाओं और जांच के तहत फर्म के बीच संबंध का पता चला।

सूत्रों ने यह भी बताया कि ईडी अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी किए गए हैं, जिसमें कुछ व्यक्तियों को जांच में शामिल होने और बयान दर्ज करने के लिए ईडी रायपुर जोनल कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। ईडी की जांच से पता चला है कि महादेव ऑनलाइन बुक बेटिंग ऐप (अवैध सट्टेबाजी वेबसाइटों के लिए नए उपयोगकताओं को नामांकित करने और उपयोगकर्ता आईडी बनाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की सुविधा देने वाला एक अम्ब्रेला सिंडिकेट) ने बेनामी बैंक खातों के एक जटिल जाल के माध्यम से अपराध की आय (पीओसी) की एक बड़ी राशि उत्पन्न की और उसे लूटा।

जांच में आगे पता चला कि इन सट्टेबाजी प्लेटफार्मों द्वारा उत्पन्न धन को भारत से बाहर स्थानांतरित किया जा रहा था और बाद में विदेशी एफपीआई के नाम पर भारतीय शेयर बाजार में निवेश किया गया था।

निजीकरण के विरोध में आंदोलनरत बिजलीकर्मियों ने प्रबंध निदेशक को सौंपा मांगपत्र

सुरेश गांधी

वाराणसी। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन उत्तर प्रदेश के आंदोलनरत बिजलीकर्मियों ने मंगलवार को पूर्वांचल मुख्यालय पर ह्लविद्युत सुधार गोष्ठीह्ल एवं मुख्यमंत्री को एमडी पूर्वांचल के माध्यम से ज्ञापन देने का सफल आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पूर्वांचल वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं अभिषेक मौर्या एवं संचालन पूर्वांचल उपाध्यक्ष इं राम सिंह द्वारा की गई। इस ऐतिहासिक सुधार गोष्ठी में पूर्वांचल के 21 जनपदों के समस्त पदाधिकारी एवं हजारों की संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

केन्द्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं अवधेश यादव ने बताया कि ऊजार्मंत्री जिस प्रकार से विद्युत के निजीकरण करने को आमादा है, इससे स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश की जनता को महंगी बिजली का भुगतान करना पड़ेगा। वह गुजरात से निजीकरण रूपी दिव्य पैकेज लेकर आए हैं, जिसका अमृतपान आम जनता, किसानों, गरीबों, मजदूरों को महंगी बिजली देकर कराना चाहते हैं। पूर्वांचल वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं अभिषेक मौर्या द्वारा कहा गया कि प्रबंधन द्वारा कार्यक्रम शुरू करने के समय पर ही तानाशाही करते हुए मेन गेट बंद करने के कारण संगठन के सभी सदस्यों मे भारी रोष व्याप्त है।

संगठन से समस्त सदस्यों ने इस तानाशाही के खिलाफ एकजुट होकर मेन गेट पर ही इस चिलचिलाती धूप में विद्युत सुधार गोष्ठी करने का निर्णय लिया।

इं शिवम चौधरी क्षेत्रीय अध्यक्ष गोरखपुर द्वारा प्रबंधन को यह भी अवगत कराया कि प्रबंध निदेशक द्वारा इस प्रकार का कृत्य घोर निंदनीय है एवं मानवता रहित है। विद्युत सुधार गोष्ठी में विशेष आमंत्रित सदस्य केंद्रीय संचालन समिति इं0 सियाराम यादव ने बताया कि ऊर्जा विभाग सार्वजनिक क्षेत्र का एक विभाग है, जिसमें रोजगार के अवसर अन्य विभागों की तुलना में बहुत अधिक है। यदि ऊर्जा क्षेत्र का निजीकरण होता है तो रोजगार के अवसर समाप्त हो जायेंगे।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

कौशलराज शर्मा बने सीएम योगी के सचिव

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों सम्मानित हो चुके कौशलराज शर्मा अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सचिव होंगे। उन्हें पीएम मोदी ने बेस्ट सिविल सर्वेंट का अवार्ड, बेस्ट इलेक्ट्रोल रोल समेत कई और सम्मान से भी सत्तानित किया है। वाराणसी में साढ़े पांच वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने न सिर्फ अमिट छाप छोड़ी है, बल्कि पहले डीएम और फिर मंडलायुक्त के तौर पर किए कई बड़े कार्य कराएं हैं। साढ़े 11 वर्षों की फील्ड पोस्टिंग के बाद उन्हें अब शासन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री कार्यालय की सीधी निगरानी में उन्होंने वाराणसी में कानून व्यवस्था से लेकर बड़ी परियोजनाओं को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

जरूरतमंद सीनियर सिटिजन के बेहतर देख-भाल हेतु समर्पित संस्था

YASHOJYOTI FOUNDATION'S
(MAHA/1211/2013/THANE)

ज्योति ओल्ड एज होम
JYOTI OLD AGE HOME

Dr. Jyoti MD (AM)

WE SERVICE FOR HUMANITY

Home For Aged, Senior Citizans, Pentioners Paralysis,
• Diabetic, Bed Ridden Patients.,• Paralysis, Alzheimer's dementia, post operative, palliative care schizophrenia, Treatement if needed., • Food Will Be Served Breakfast Lunch, Supple Dinner. (Veg & Non Veg), • Entertainment: Tv, Tape, News Paper, Indoor Games, Ample Place For Walking, Yoga., • 24x7 Ward Boy, Aaya, Atendant To Take Care., • Doctor's visit every day., • Specialist (Psyciaric, Dentist, Cardiologyst, physcian) visit on c, • Ambulance service on call., •

CONTACT NO.- 9820674896/9664682587

Padmakar Mhatre Hospital, Opp. Kakad Paradise, Penkar Pada, Mira Road (E), Thane - 401 107.

पुस्तकें कल्पवृक्ष भी है और कामधेनु भी है

विश्व पुस्तक दिवस-23 अप्रैल, 2025

-ललित गर्ग

विश्व पुस्तक दिवस जिसे विश्व पुस्तक कॉपीराइट दिवस भी कहा जाता है, पुस्तक-संस्कृति को बल देने और पढ़ने की प्रवृत्ति के आनंद को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाने वाला एक विश्व उत्सव है। हर साल 23 अप्रैल को दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उसे प्रोत्साहन देने एवं दुनिया को जोड़ने के लिए पुस्तक उत्सव अतीत और भविष्य के बीच एक कड़ी, पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच एक पुल है। इस अवसर पर, यूनेस्को और पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों - प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठन, अपने स्वयं के प्रयासों के माध्यम से, दिवस के उत्सवों की प्रेरणा को बनाए रखने के लिए एक वर्ष के लिए विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। किताबें, अपने सभी रूपों में, हमें सीखने और खुद को सशक्त रखने का मौका देती हैं। ये हमारा मनोरंजन भी करती हैं और हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं, साथ ही दूसरों की दुनिया में झांकने का मौका भी देती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है ह्यअपने तरीके से पढ़ेंह्, यह थीम सभी आयु वर्ग के लोगों विशेषत: बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार किताबें चुनने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसका उद्देश्य बच्चों को पढ़ने में आनंद आने का अनुभव कराना और उनकी पढ़ने की आदत को मजबूत बनाना है।

23 अप्रैल विश्व साहित्य में एक प्रतीकात्मक तिथि है। इस दिन कई विश्वप्रसिद्ध लेखकों का जन्मदिवस या पुण्यतिथि होती है। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स और जोसेप प्लाया का इसी दिन निधन हुआ था, जबकि मैनुएल मेजिया वल्लेजो और मौरिस ड्रून इसी दिन पैदा हुए थे। यूनेस्को ने 23 अप्रैल 1995 को इस दिवस को मनाने की शुरुआत की थी। पैरिस में यूनेस्को की एक आमसभा में फैसला लिया गया था कि दुनियाभर के लेखकों का सम्मान करने, उनको श्रद्धांजली देने और किताबों के प्रति रुचि जागृत करने के लिए इस दिवस को मनाया जाएगा। पुस्तकों को ज्ञान का बाग भी कहा जाता है। यदि कोई इन पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर ले तो यकीन मानिए उसे जीवन भर का ज्ञान और हर समस्या का समाधान कुछ ही समय में मिल जाता है। समस्याओं एवं परेशानी के दौर में पुस्तक दोस्ती का पूरा फर्ज निभाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक है, किसी भी युग या आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता, इंटरनेट जैसी अनेक आंधियां आयेगी, लेकिन पुस्तक संस्कृति हर आंधी में अपनी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को बनाये रख सकेगी। क्योंकि पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबों का अस्तित्व खत्म नहीं हो सकता। आधुनिकता की बात करें तो भी यह बात हर वक्त संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए। पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं। महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विश्व ख्याति दिलाने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, यही कारण है कि उन्होंने पुस्तक संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव उपक्रम ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम में अनेक बार किया। पुस्तकें जीवन का रहस्यमय एवं रोमांचक संसार है। इसलिये पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहन देकर ही हम उन्नत संस्कार, संसार एवं सृष्टि का निर्माण कर सकेंगे। किताबों में ही किताबों के बारे में जो लिखा है वह भी बहुत उल्लेखनीय और विचारोत्तेजक है। मसलन टोनी मोरिसन ने लिखा है- ह्यकोई ऐसी पुस्तक जो आप दिल से पढ़ना चाहते हैं, लेकिन जो लिखी न गई हो, तो आपको चाहिए कि आप ही इसे जरूर लिखें।

शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान होती हैं। निःसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने, मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में विशेष भूमिका निभाती हैं। नरेन्द्र मोदी प्रयोगधर्मा एवं सृजनकर्मा राजनायक हैं, तभी उन्होंने उपहार में ह्यबुके नहीं बुक यानी किताबह्व देने की बात कही है। सत्साहित्य में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण समाज की संरचना करता है। इसी से सकारात्मक परिवर्तन होता है जो सत्ता एवं कानून से होने वाले परिवर्तन से अधिक स्थायी होता है। यही कारण है कि मोदीजी भारत को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी है और कामधेनु भी है, क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य है और जन-जन के लिये उपयोगी है, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज-निर्माण का आधार भी है। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती है। नये मूल्य, नये मापदण्ड, नई योग्यता, नवीन क्षमताएं, आकांक्षाएं और नये सपने- तेजी से बदलती जिंदगी में सकारात्मकता को स्थापित करने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

इंसान घर बदलता है, लिबास बदलता है, रिश्ते बदलता है, दोस्त बदलता है, फिर भी परेशान क्यों रहता है? क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया में बैठना बन्द कर दिया है जबकि इन्हीं पुस्तकों की सार्थक कोशिश होती है कि इंसान बदलें, उसकी सोच बदलें, उसका व्यवहार बदलें लेकिन बदलने की उसकी दिशा सदैव सकारात्मक हो ताकि वह जिंदगी के वास्तविक मायने समझ सके। जब तक इंसान खुद को नहीं बदलता, वह अपनी मंजिल को नहीं पा सकता। मंजिल को पाने एवं जीत हासिल करने के लिए स्वयं का स्वयं पर अनुशासन जरूरी है। यही सूत्र पुस्तक-संस्कृति की उपयोगिता एवं महत्व को उजागर करता है। पुस्तकें एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक दुनिया है, जिसमें विद्वान लेखकों, विचारकों एवं मनीषियों ने अपनी कलम में वही सब कुछ लिखा होता है जिसे उन्होंने अपने आस-पास की जिंदगी में देखा है, भोगा है। इन पुस्तकें के विचार किसी न किसी के द्वारा कभी न कभी सोचा, कहा, लिखा, मनन किया या जीया गया होता है। ये पुस्तकें एक जरिया है, झरोखा है, जिसमें युगों का ज्ञान है, महापुरुषों के अनुभव हैं, संतपुरुषों की सूक्तियां हैं, प्रबुद्धजनों के जीवन का निचोड़ हैं। जिनकी प्रेरणा और ऊर्जा से इंसानों को रोशनी मिलती है, जो सबके घर में आनंद को और सूरज को अवतरित करने की क्षमता का स्रोत भी है। इंटरनेट और ई-पुस्तकों की व्यापक होती पहुंच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है और वह अब भी प्रासंगिक है। भारत ही बल्कि दुनिया को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका असंदिग्ध है। हजारीप्रसाद द्विवेदी ने तभी तो कहा था कि साहित्य वह जादू की छड़ी है, जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है। निश्चित ही विश्व पुस्तक दिवस की पुस्तक-प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झंकृत कर उन्हें नये भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है।

विदेशों में हिन्दू धार्मिक स्थलों पर नहीं थम रहे हमले

अशोक भाटिया

खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर से हिंदू मंदिर को निशाना बनाया है। कनाडा में वैंकूवर के गुरुद्वारे की बेअदबी के कुछ ही समय बाद, ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर को निशाना बनाया गया. मंदिर की दीवारों पर स्प्रे पेंट से लिखे गए भारत विरोधी नारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिससे पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ गई है.भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य के अनुसार ये हमला हिंदू मंदिरों पर हो रहे सुनियोजित और लगातार हमलों की एक कड़ी है, जिससे हिंदू समुदाय को डराने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है.लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों पर 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' जैसे उग्रवादी नारे लिखे की घटना से हिंदू समुदाय में असुरक्षा की भावना को और गहरा दिया है. घटना की निंदा करते हुए सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि हिंदू मंदिरों पर हमले जो कुछ साल पहले शुरू हुए थे, वे आज भी बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं. ये ताजा हमला खालिस्तानी उग्रवाद के बढ़ते प्रभाव की एक और भयावह याद है.

इस घटना से कुछ समय पहले वैंकूवर में स्थित रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे की दीवारों पर भी 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' और 'मुदार्बाद' जैसे नारों के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए धमकी भरे संदेश लिखे गए थे. वैंकूवर पुलिस विभाग ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है. इस पर टिप्पणी करते हुए चंद्र आर्य ने कहा कि इन खालिस्तानी उग्रवादियों ने रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे (खालसा दीवान सोसायटी) को भी निशाना बनाया है, जहां दीवारों पर उकसाने वाले नारे और धमकियां लिखी गई हैं.खालसा दीवान सोसायटी ने बयान जारी कर इसकी कड़ी निंदा की. साथ ही कहा कि ये उग्रवादी ताकतों की एक सुनियोजित साजिश है जो कनाडाई सिख समुदाय में भय और फूट डालना चाहती है. सोसायटी ने कहा कि हम सभी कनाडाई नागरिकों, सिखों और सद्भाव की भावना रखने वाले लोगों से अपील करते हैं कि वे एकजुट होकर इस उग्रवाद का विरोध करें. ये हमला हम सभी पर है- उस एकता पर जो कनाडा को मजबूत बनाती है.

वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब विदेशी सरजमी पर हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया हो। अमेरिका के कैलिफोर्निया के नेवार्क में खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर की बाहरी दीवारों पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थन में नारे लिखे हैं साथ ही उन्हें क्षतिग्रस्त भी किया है। ये मंदिर स्वामीनारायण मंदिर है। जिसकी दीवारों पर काले रंग से आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही नेवार्क पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई।अमेरिका के हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर मंदिर की कुछ तस्वीरों को शेयर किया गया है। इसके साथ ही फाउंडेशन ने कैप्शन में लिखा कि स्वामीनारायण मंदिर वासना संस्था को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाकर शकी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे हैं, साथ ही उसे क्षतिग्रस्त भी किया है । फाउंडेशन ने इस मामले की जानकारी पुलिस के साथ ही न्याय विभाग के नागरिक अधिकारों को भी दी है। फाउंडेशन का कहना है कि वो चाहती है कि इस घटना की जांच पुलिस इसे हेट क्राइम मानकर करे।

वहीं खालिस्तान आतंकवादी भिंडरावाले का जिक्र करते हुए बताया जा रहा है कि उसने हत्या के लिए हिंदुओं को निशाना बनाया है अब मंदिर को निशाना बनाया जा रहा है ताकि लोगों खौफ पैदा हो सके। फाउंडेशन का कहना है कि इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि पुलिस इसे घृणा अपराध मानकर जांच करे।वहीं इस मामले पर सैन फ्रांसिस्को में मौजूद भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कड़ी आपत्ति जताई है। दूतावास ने स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने की कड़ी निंदा करते हुए बयान दिया है कि इस घटना से भारतीय समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं।

इससे पहले भी कई इस तरह के मामले सामने आए हैं। ऑस्ट्रेलिया में भी खालिस्तानियों ने मंदिरों को निशाना बनाया है। इस तरह की घटनाओं पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए सरकार ने कई राजनयिक मंचों पर इस मुद्दे को उठाता रहा है।

ज्ञात हो कि इसी साल अगस्त में खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया शहर में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की थी। साथ ही मंदिर के दरवाजे पर खालिस्तानी पोस्टर चिपका दिए थे। ये सारी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाके मेलबर्न में भी इसी साल जनवरी में ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां स्वामीनारायण मंदिर पर भी खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लिखे थे। वहीं एक दूसरे मंदिर इस्कॉन टेम्पल में भी हिंदुस्तान मुदार्बाद और खालिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे लिखे गए थे।

कनाडा स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि मंदिर में तोड़फोड़ से कनाडा में स्थित भारतीय समुदाय की धार्मिक भावना आहत हुई है। अपनी चिंता जाहिर करते हुए अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन से आपराधियों के खिलाफ कड़ी काररवाई करने की मांग की है।भारतीय दूतावास ने मंगलवार को कनाडा सरकार को इस संबंध में संज्ञान लेने और मामले की जांच करने के संबंध में अपनी बात रखी है। भारतीय दूतवास ने घटना की कड़ी निंदा की है और हिन्दू धर्म के लिए पनप रही इस नफरत पर चिंता व्यक्त की है। कनाडा पुलिस ने मामले की सख्ती से जांच का आश्वासन दिया है। फिलहाल कनाडा पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और हिंदू धर्म को मानने वालों के खिलाफ जिस तरह की हिंसा भड़की वह तो सबने देखी, लेकिन अमेरिका जो खुद को लोकतंत्र की मिसाल बताता है। ऐसे देश में हिंदुओं के खिलाफ इस तरह की साजिश समझ से बाहर है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमला उस वक्त हो रहा था , जब यूनाइटेड नेशन में दुनियाभर के नेता वहां मौजूद थे । इसके बावजूद सब चुप्पी साधे हुए रहे ।

गौरतलब है है कि अब तक के जो मामले सुर्खियों में है जब हिंदू मंदिरों में हुई तोड़फोड़ हुई हो ।इनमे प्रमुख है 26 सितंबर, 2024 :- का है, जब सैक्रामेंटो अमेरिका में स्वामी नारायण मंदिर। 19 सितंबर, 2024 :-न्यूयॉर्क के बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में हमले के बाद अपमानजनक नारे जैसे 'हिन्दुस्तान मुदार्बाद' तक लिखा गया। 5 जनवरी, 2024 :- कैलिफोर्निया के विजय का शेरावाली मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हमला किया गया। 23 दिसंबर, 2023 :- कैलिफोर्निया के एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला किया। वहां कई गंदे चित्र भी उकेरे गए। यानी मंदिर की पवित्रता को खत्म करने की कोशिश की गई। 20 जनवरी, 2023 :- ब्रेजोस वैली में श्री ओंकारनाथ मंदिर में चोरों ने चोरी की और कीमती सामान उड़ा लिया। उन्होंने मंदिर की एक खिड़की, दान पेटी और तिजोरी तक तोड़ दी। चोर सीसीटीवी में कैद हो गए। 2 नवंबर, 2022 :- न्यूजर्सी के श्री उमिया धाम मंदिर में तोड़फोड़ की गई और 'मुक्त फिलिस्तीन' के नारे लिखे गए। 31 जनवरी, 2019 :- केंटकी के स्वामीनारायण मंदिर में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की, काले रंग का छिड़काव किया, खिड़कियां तोड़ दी, दीवारों पर स्प्रे के जरिए स्लोगन लिखे गए।19 जुलाई, 2015 :- कैरोलिना के विहिप मंदिर पर गोलीबारी की गई। मंदिर पर 4 जुलाई 2015 की दोपहर करीब 1 बजे भी गोलीबारी हुई, जिसमें मंदिर की दीवारों पर 60 से अधिक छेद हो गए। 20 अप्रैल, 2015 :- न्यूयॉर्क के उत्तरी टेक्सास हिंदू मंदिर के प्रतीक चिन्हों को तोड़ दिया गया।

लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर पर खालिस्तान समर्थक समूह द्वारा हमले की कोशिश पर भारत सरकार ने गंभीर चिंता व्यक्त तो की है पर उसमें मंदिरों का जिक्र नहीं है पर उसमें कहा गया है कि कथित खलिस्तान के नाम पर ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में कुछ आतांकवादी समूह न केवल सक्रिय हैं बल्कि कथित मानव अधिकार के नाम पर कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन और राजनीतिक दल के नेता भी उनका समर्थन करते हैं। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रतिपक्ष में रहकर वोट बैंक के लिए या भारत को कमजोर देखने के लिए उनका समर्थन करते रहे हैं। अब लेबर पार्टी सत्ता में हैं और वह भारत के साथ अच्छे संबंधों के लिए प्रयासरत है। ऐसी स्थिति में भारत का कड़ा विरोध आवश्यक है। लेकिन भारत में भी पाकिस्तान तथा अन्य देशों के माध्यम से फन्डिंग पा रहे कथित खालिस्तानी आतंकी अथवा नक्सली अब भी कुछ इलाकों में समय समय पर हमले की कोशिश करते हैं। उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के समूह ने हाल ही में खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल तथा पाकिस्तानी आई एस आई के सदस्य लजर मसीह को महाकुंभ में आतंकी वारदात की साजिश के सबूतों के साथ गिरफ्तार किया था।

विवाद के समय बीजेपी क्यों छोड़ देती है अपने नेताओं का साथ

-संजय सक्सेना

भारतीय जनता पार्टी भारत की सबसे बड़ी और सबसे संगठित राजनीतिक पार्टियों में से एक है। अनुशासन, संगठनात्मक ढांचा और विचारधारा की स्पष्टता इसके प्रमुख स्तंभ माने जाते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति देखी गई है कि जब पार्टी के किसी नेता पर विवाद खड़ा होता है, तो पार्टी उनसे सार्वजनिक रूप से दूरी बना लेती है या उन्हें पद से हटाने में देर नहीं करती। यह परिपाटी कई बार यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर विवाद के समय बीजेपी अपने ही नेताओं का साथ क्यों छोड़ देती है, बीजेपी आलाकमान का मुसीबत के समय अपने नेताओं का साथ छोड़ने का सिलसिला काफी पुरानी है। साध्वी प्रज्ञा हो या विवादित बयान देने वाली नुपुर शर्मा और अब केन्द्रीय मंत्री निशिकांत दुबे,राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा या अन्य कोई बीजेपी किसी भी नेता से किनारा करने में देरी नहीं करती है, अन्य दलों का शीर्ष नेतृत्व मुसीबत के समय अपने नेता के साथ कंधे से कंधा मिलाये खड़ा रहता है। समाजवादी पार्टी के विवादित नेता और सांसद रामजी लाल सुमन इसकी ताजा मिसाल है। सुमन ने वीर पुरुष और महानायक राजा राणा सांगा को गद्दार कहा था।

ऐसा क्यों होता है, इसकी तह में जाया जाये तो पता चलता है कि बीजेपी अपने ब्रांड को विकास और राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करती रही है। पार्टी नेतृत्व यह अच्छी तरह समझता है कि किसी भी नेता से जुड़ा विवाद संपूर्ण पार्टी की छवि पर असर डाल सकता है। ऐसे में वह डैमेज कंट्रोल की नीति अपनाती है। उदाहरण के तौर पर, जब बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगे, तो पार्टी ने सीधे तौर पर उनका समर्थन नहीं किया, भले ही वह एक लंबे समय से पार्टी के प्रभावशाली चेहरा रहे हों। इसी तरह, जब पूर्व मंत्री एमजे अकबर पर मी टू अभियान के दौरान कई महिलाओं ने आरोप लगाए, तो पार्टी ने चुपचाप उन्हें पद से हटने दिया, बिना उनका खुला समर्थन किए।

बीजेपी का संगठनात्मक ढांचा यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि रहे। इसलिए जब कोई नेता विवाद में आता है, तो पार्टी पहले यह देखती है कि उनका बचाव करने से संगठन को कितना नुकसान हो सकता है। अगर पार्टी नेतृत्व को लगता है कि उस नेता का समर्थन करना पार्टी की छवि पर बुरा असर डालेगा, तो वह उससे दूरी बना लेती है। यहाँ संघ परिवार की सोच भी प्रभावी होती है, जहाँ व्यक्तिवाद की बजाय सामूहिक निर्णय को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे में कोई भी नेता पार्टी से ऊपर नहीं हो सकता।

दरअसल, बीजेपी चुनावी राजनीति में बेहद रणनीतिक है। अगर किसी नेता के विवाद से जनता में आक्रोश है या विपक्ष को मुद्दा मिल सकता है, तो पार्टी उस नेता को बलि का बकरा बनाकर अपनी राजनीतिक जमीन सुरक्षित करती है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर हों या उमा भारती, समय-समय पर जब उनके बयानों या कार्यों से पार्टी की रणनीति को चुनौती मिलती दिखी, तो पार्टी ने उन्हें दरकिनार कर दिया। इससे साफ है कि पार्टी का फोकस वोटर सेंटिमेंट और इलेक्शन मैनेजमेंट पर है, न कि व्यक्तिगत निष्ठा पर।

ऐसा इस लिये भी होता है क्योंकि आज का दौर इंस्टैंट जजमेंट का है। जैसे ही किसी नेता पर आरोप लगते हैं, सोशल मीडिया पर ट्रेंड शुरू हो जाता है। बीजेपी यह समझती है कि अगर वह बचाव में उतरती है, तो यह आक्रोश और तेज हो सकता है। इसलिए वह साइलेंस मोड या डिस्टेंसिंग की रणनीति अपनाती है। यह नीति कभी-कभी नेताओं को अकेला महसूस करवा सकती है, लेकिन पार्टी को लगता है कि यह सार्वजनिक नाराजगी को ठंडा करने का सबसे तेज तरीका है।

अभी बीजेपी नेताओं निशिकांत दुबे, डा0 दिनेश शर्मा आदि कुछ नेताओं के न्यायपालिका पर दिये गये विवादित बयान के बाद बीजेपी ने इन नेताओं से जिस तरह दूरी बनाई वह बीजेपी के कुछ समर्थकों को खराब भी लग रहा है। जबकि राजनीति के कुछ जानकारों का कहना है कि अक्सर खुद को संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में पेश करती है। ऐसे में अगर किसी नेता पर कानूनी आरोप लगते हैं, तो पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि वह किसी को कानून से ऊपर नहीं मानती। भले ही अंदरूनी स्तर पर नेता का समर्थन किया जा रहा हो, सार्वजनिक मंच पर पार्टी न्यायिक प्रक्रिया के पक्ष में खड़ी दिखना चाहती है।

लेकिन सवाल ये भी उठता है कि क्या ये नीति सही है? यह रणनीति अल्पकालिक लाभ तो देती है, लेकिन इससे पार्टी के अंदर यह भावना पनपती है कि पार्टी मुश्किल समय में अपने ही नेताओं का साथ नहीं देती। इससे पार्टी के अंदर विश्वास की कमी पैदा हो सकती है। कई पुराने नेताओं ने यह नाराजगी भी जताई है कि पार्टी यूज एंड थ्रो की नीति अपनाती है।अकुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह नीति राजनीतिक शुचिता के नाम पर राजनीतिक अवसरवाद को बढ़ावा देती है। जब तक नेता उपयोगी होता है, उसे सिर पर बैठाया जाता है और जैसे ही वह पार्टी के लिए बोझ बनता है, उसे किनारे कर दिया जाता है।

कुल मिलाकर बीजेपी का विवाद के समय नेताओं से दूरी बनाना एक सुविचारित रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद पार्टी की छवि और राजनीतिक पूंजी को सुरक्षित रखना है। हालांकि यह नीति दीर्घकालिक रूप से संगठनात्मक विश्वसनीयता और निष्ठा की भावना को चोट पहुँचा सकती है। यह चुनौती बीजेपी के लिए उतनी ही गंभीर है जितनी किसी विवाद में घिरे नेता के लिए। पार्टी को यह संतुलन साधना होगा कि संगठन की प्रतिष्ठा बचाते हुए, अपने कर्मठ नेताओं का आत्मसम्मान भी सुरक्षित रखा जाये।

पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो,उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अतः मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है। उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। 'पंचतंत्र'तथा 'हितोपदेश' इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं। वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

बढ़ती गर्मी में पशु-पक्षियों की प्यास बुझाएं

गर्मी बढ़ रही है। लू के तेज थपेड़ों के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। लोग गर्मी से बचने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। पशु-पक्षियों के बारे में खबरें आ रही हैं। पिछले दिनों ऐसी ही 2 दिलचस्प खबरों पर नजर पड़ी। एक में बताया गया कि दक्षिण लखीमपुरखीरी और दुधवा नैशनल पार्क में बढ़ती गर्मी को देखते हुए वन विभाग ने जंगल में पानी के स्रोत बनाए। इन्हें वाटर होल नाम दिया गया। दक्षिण खीरी में 12 और दुधवा में 37 वाटर होल बनाए गए जिससे कि यहां रहने वाले जानवर अपनी प्यास बुझा सकें। मगर अधिकारी यह देखकर चकित रह गए कि इन सब पर बाघों ने कब्जा कर लिया है। वे यहीं रहते हैं और खेलते-कूदते भी हैं। इनके डर के कारण दूसरे जानवर यहां पानी पीने नहीं आ पाते। वे पानी के लिए बस्तियों का रुख करते हैं। चीतल और जंगली सूअर भी आते देखे गए हैं। बताया जा रहा है कि जंगली सूअर कइयों को घायल कर रहे हैं। अधिकारियों की समझ में नहीं आ रहा कि वे क्या करें। वे कह रहे हैं कि जंगल के बाहर भी ऐसे पानी के स्रोत बनाए जा रहे हैं जिससे छोटे जानवर वहां आकर अपनी प्यास बुझा सकें। मान लीजिए जंगल के बाहर बनाए गए स्रोतों पर भी बाघों ने कब्जा कर लिया, तो क्या होगा। आखिर उन्हें कौन रोक सकता है। वैसे भी कहा गया है कि ह्यसमरथ को नहिं दोष गुसाईंह्व। दूसरी खबर कूनो नैशनल पार्क से जुड़ी हुई थी। यहां सत्य नारायण गुर्जर पर्यटकों को घुमाने का काम करता है। एक दिन वह जा रहा था, तो उसने कई चीतों को देखा। उसे लगा कि इन्हें प्यास लगी होगी। वह गाड़ी से नीचे उतरा। अपने साथ लाए पानी को एक तसले में उंडेला। यह देखते ही चीते दौड़े आए और पानी पीने लगे। वे सचमुच प्यासे थे। इसका वीडियो वायरल हो गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इसे देखा और सत्य नारायण की तारीफ भी की। लेकिन वहां के अधिकारियों ने कहा कि सत्य नारायण ने यह ठीक नहीं किया है। उसे चीतों को पानी नहीं पिलाना चाहिए था। जंगल में भगा देना चाहिए था। शायद अधिकारियों ने महसूस किया हो कि अगर चीते उस पर हमला कर देते या कोई और ऐसा करने लगे और चीतों के हमले का शिकार बने, तो भारी मुसीबत हो जाएगी। इसलिए उसे काम से हटा दिया गया। लेकिन मीडिया में उसके नौकरी से हटाए जाने की बहुत आलोचना हुई। गुर्जर समाज ने धमकी दी कि अगर उसे काम पर वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन करेंगे। सत्य नारायण ने भी एक बातचीत में कहा कि उसने चीतों को पानी पिलाकर कोई अपराध नहीं किया है। उसके बाबा तो शेरों को पानी पिलाते थे। उसे लगा कि चीते प्यासे हैं, तो उन्हें पानी पिला दिया। क्या गलत किया। जब सत्य नारायण को हटाए जाने की आलोचना होने लगी तो अधिकारियों ने फिर से उसे काम पर रख लिया। सोचें कि अगर मीडिया इस घटना का संज्ञान न लेता, तो यह युवा तो एक अच्छे काम के लिए अपनी नौकरी से ही हाथ धो बैठता। वैसे भी अपने देश में पानी पिलाने की परम्परा रही है। प्यासे को पानी न पिलाना, सबसे बड़ा अपराध भी माना जाता है। प्याऊ लगाना, पानी के लिए बड़े-बड़े घड़े रखना, जिससे कि आते-जाते लोग पानी पी सकें। जनवरों के लिए हौदों का निर्माण भी होता रहा है।

रेनो ने नया डिजाइन सेंटर खोला, भारत में अपने बदलाव की रणनीति 'renault. rethink' की शुरूआत की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रेनो ग्रुप के पूर्ण-स्वामित्व वाली सब्सिडिएरी रेनो इंडिया ने रेनो डिजाइन सेंटर चेन्नई का उद्घाटन करते हुए भारत पर केन्द्रित अपनी नई रणनीति 'renault. rethink' पेश की है। इस रणनीति का मकसद बदलाव लाना है। चेन्नई में आज नए रेनो डिजाइन सेंटर का उद्घाटन हुआ है, जो बदलाव लाने और भारत में डिजाइन के रेनो के सपने को आगे बढ़ाएगा। यह भारत में निर्माण के मजबूत आधार पर काम करेगा। खासकर आरएनटीबीसीआई (रेनो निसान टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस सेंटर इंडिया) के करीब होने के कारण यह एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में भी काम करेगा।

रेनो ग्रुप के चीफ डिजाइन ऑफिसर लॉरेन्स वैन डेन एकर ने कहा, भारत एक अनूठा और जीवंत देश है। यहाँ की जरूरतों को समझने, स्थानीय खासियतों को जानने और क्षमताओं का उपयोग करने के लिए एक खास डिजाइन स्टूडियो जरूरी है। चेन्नई का रेनो डिजाइन सेंटर भारतीय बाजार के लिए मॉडल और कॉन्सेप्ट तैयार करेगा, साथ ही रेनो ग्रुप की वैश्विक परियोजनाओं में भी योगदान देगा। यह सेंटर स्थानीय प्रतिभाओं और जानकारी का उपयोग करके रेनो के भविष्य के वाहन समाधान तैयार करेगा। यह रणनीतिक रूप से आरएनटीबीसीआई के पास स्थित है, जिससे डिजाइन, इंजीनियरिंग और नवाचार से जुड़ा काम तेजी से और मिलकर किया जा सकेगा। फ्रेंच कार कंपनी रेनो इंडिया का कहना है कि 2025 उसके लिए एक बदलाव का साल रहा, जिसने कंपनी को आगे बढ़ने की नई दिशा दी। इस साल, भारत जैसे दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऑटोमोबाइल बाजार में उसकी बड़ी उम्मीदें पूरी हुईं। रेनो की 'renault. rethink'रणनीति भारत में कंपनी के नए सफर की शुरूआत और उसकी मजबूत व साहसी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह पहल ग्राहकों और साझेदारों को आमंत्रित करती है कि वे ब्रांड को नए नजरिए से देखें, क्योंकि कंपनी डिजाइन में नवाचार, टेक्नोलॉजी में प्रगति और स्थानीयकरण कर रही है।

टियर 2 शहर बन रहे हैं रियल एस्टेट ग्रोथ के इंजन, पूंजी सराहना में टियर 1 मार्केट्स से आगे: मैजिकब्रिक्स

मुंबई। भारत का रियल एस्टेट निवेश परिदृश्य एक महत्वपूर्ण बदलाव से गुजर रहा है, जहाँ टियर 2 शहर पूंजी सराहना के मामले में टियर 1 शहरों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत के अग्रणी रियल एस्टेट प्लेटफॉर्म मैजिकब्रिक्स के ताजा विश्लेषण के अनुसार, बुनियादी ढाँचे के विस्तार, बढ़ती सामर्थ्यता और माँग के चलते, टियर 2 शहर तेजी से नए ग्रोथ हब बन रहे हैं जो निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे रहे हैं और उनकी दिलचस्पी भी आकर्षित कर रहे हैं। उत्तर भारत के क्षेत्र में टियर 2 शहरों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। मैजिकब्रिक्स के अनुसार, टियर 2 शहरों में औसतन पूंजी सराहना 17.6% दर्ज की गई है, जो दिल्ली के 15.7% से काफी अधिक है। कानपुर ने 24.53% की वार्षिक पूंजी सराहना के साथ अग्रणी स्थान प्राप्त किया है, इसके बाद लखनऊ ने 22.61% की सराहना दर्ज की है – दोनों ही राष्ट्रीय राजधानी को पीछे छोड़ते हुए। जहाँ दिल्ली में औसत कीमत ?18,618 प्रति वर्ग फुट है, वहीं लखनऊ (?6,394 प्रति वर्ग फुट), कानपुर (?6,986 प्रति वर्ग फुट), देहरादून (?5,653 प्रति वर्ग फुट) और जयपुर (?5,654 प्रति वर्ग फुट) अपेक्षाकृत किफायती शहरों के रूप में उभरे हैं, जहाँ निवेश के लिए बुनियादी ढाँचा भी प्रतिस्पर्धात्मक है। इस विषय पर विस्तार से बताते हुए, मैजिकब्रिक्स के चीफ मार्केटिंग ऑफि सर प्रसून कुमार ने कहा, ₹उत्तर भारत का रियल एस्टेट परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। ये टियर 2 शहर अब सेकेंडरी मार्केट नहीं रह गए हैं – ये अब प्रमुख निवेश गंतव्य बनते जा रहे हैं। बुनियादी ढाँचे के विस्तार, आधुनिक आवास की बढ़ती आपूर्ति और युवा पेशेवरों व पहले बार घर खरीदने वालों की बढ़ती माँग के साथ, ये शहर अगले दशक में भारत के रियल एस्टेट ग्रोथ में अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसी प्रकार, पश्चिम भारत के टियर 2 शहर भी निवेश के लिहाज से आकर्षक अवसर प्रदान कर रहे हैं, जहाँ 22.3% की पूंजी सराहना दर्ज की गई – जो मुंबई के 20.3% के काफी करीब है। विशेष रूप से गोवा ने 66.37% की असाधारण वार्षिक पूंजी सराहना के साथ क्षेत्र का नेतृत्व किया, जहाँ औसत कीमत ?13,290 प्रति वर्ग फुट तक पहुँच गई, जबकि मुंबई में यह ?28,921 प्रति वर्ग फुट है। यह वृद्धि गोवा को क्षेत्र के सबसे गतिशील बाजारों में से एक बनाती है, जिसे दूसरे घरों की माँग, किराये की आय और पर्यटन से जुड़े निवेशों द्वारा प्रेरित किया गया है।

इंडिया के क्विक कॉमर्स बूम को सपोर्ट करेगा गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस भारत के तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स सेक्टर की मांग को पूरा करने के साथ ही इस सेक्टर को सपोर्ट करने के लिए अपनी क्षमताओं को और भी मजबूत कर रहा है। साथ ही यह ई-कॉमर्स, रिटेल और थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स (3ढछ) में भी अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है। जैसे-जैसे भारत का वेयरहाउसिंग क्षेत्र बदल रहा है, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप व्यवसायों को स्मार्ट, तकनीक-संचालित समाधानों के साथ सशक्त कर रहा है, जो तेज, लचीले और भविष्य के लिए तैयार हैं।विकास चौधा, बिजनेस हेड, स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप, ने कहा, 'अगले 2-3 वर्षों में नए जमाने के स्टार्टअप्स और मौजूदा ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा 10 मिलियन वर्ग फीट से अधिक के मदर हब्स जोड़ने की संभावना है और यह अगले वर्ष तक 3,000 से अधिक डार्क स्टोर्स क्विक कॉमर्स की वृद्धि को गति देंगे। ऐसे में लचीले और हाई एफिशिएंसी स्टोरेज सॉल्यूशंस की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। भारत जैसे-जैसे तेज डिलीवरी समय- सीमा की ओर अग्रसर हो रहा है, स्टोरेज और वितरण के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को बदलना जरूरी हो जाता है। गोदरेज में, हम न केवल बड़े-फॉर्मेट के वेयरहाउस के जरिए ई-कॉमर्स उद्योग को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि टियर 1 और टियर 2 शहरों में डार्क स्टोर्स के लिए तेज समाधान भी प्रदान कर रहे हैं, जिससे डिलीवरी तेज हो और क्विक कॉमर्स बाजार की मांग पूरी की जा सके। हमारा लक्ष्य सिर्फ इस बदलाव को समर्थन देना नहीं, बल्कि भारत के स्टोरेज, मूवमेंट और डिलीवरी के भविष्य को आकार देना है।

दबंगों ने जबरन कराई महिला की दुकान बंद, बनारस में कानूनी कार्रवाई की तैयारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में एक महिला व्यापारी को दबंगों की दादागिरी का शिकार होना पड़ा है। यह मामला तब सामने आया जब दबंगों ने महिला की दुकान को जबरन बंद करवा दिया। महिला का आरोप है कि सुदेश दीक्षित और उसके परिजन आए दिन दुकान पर पहुंचकर डराने-धमकाने और बदसलूकी करने का प्रयास करते हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पूरा दीक्षित परिवार समय-समय पर एकजुट होकर उसकी दुकान पर दादागिरी करता है, जिससे उसका व्यापार ठप हो गया है और वह मानसिक तनाव झेल रही है। इस मामले को लेकर पीड़िता ने अपने पैतृक गाँव (वाराणसी) में रहते हुए कानूनी प्रक्रिया की शुरूआत कर दी है। उसने अपने वकील के माध्यम से 1. सूर्यकांत दीक्षित, 2. सुदेश दीक्षित (पुत्र रामहर्क दीक्षित), 3. संदीप सूर्यकांत दीक्षित, 4. राकेश रामकिशोर दीक्षित, 5. तरुण सुदेश दीक्षित, 6. भागेस सुदेश दीक्षित, 7. सुधांशु राजेश दीक्षित को कानूनी नोटिस भेजा है। महिला के वकील द्वारा भेजे गए नोटिस का कानूनी उत्तर अब तक प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन यदि जल्द ही संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो पीड़िता वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में विधिवत शिकायत दर्ज कराने की योजना बना रही है। इसके पश्चात वाराणसी कोर्ट में याचिका दायर कर आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की जाएगी। इस मामले में महिला ने स्थानीय प्रशासन से भी सुरक्षा की मांग की है और कहा है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो उसे और उसके परिवार को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। यह मामला न सिर्फ महिला सुरक्षा बल्कि व्यापारिक स्वतंत्रता पर भी गंभीर सवाल खड़ा करता है। प्रशासन और कानून व्यवस्था पर अब यह जिम्मेदारी है कि पीड़िता को न्याय दिलाया जाए और आरोपियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर करवाई सुनिश्चित की जाए।

हर्ष फाउंडेशन ने मरीजों को अस्पताल में फल वितरित किए

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री प्रकाश मेहता के जन्मदिन के अवसर पर आज राजावाड़ी अस्पताल के मरीजों को बेहतर पोषण के लिए फल वितरित किए गए। हर्ष सामाजिक कल्याण फाउंडेशन के माध्यम से मरीजों को फल बांटा गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। फाउंडेशन के अध्यक्ष सचिन पवार ने बताया कि पूर्व मंत्री प्रकाश मेहता के जन्मदिन के अवसर पर आज घाटकोपर में बैनर लगाए गए तथा विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजावाड़ी अस्पताल के बाल विभाग के वार्डों में फल भी वितरित किये गये। फाउंडेशन के अध्यक्ष सचिन पवार ने कहा कि छोटे बच्चों को आकर्षित करने के लिए कार्यकताओं ने कार्टून जैसी पोशाक पहनकर उन्हें हंसाने की भी कोशिश की।

कर्मचारियों का स्वास्थ्य चेकअप शिविर संपन्न

ठाणे (उत्तरशक्ति)। इंडियन रबर मैटेरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईआरएमआरआई) द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य चेकअप कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम संस्थान के परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें सभी कर्मचारियों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इंस्टिट्यूट के निदेशक, डॉ. के. राजकुमार ने कहा, ₹हमारा मानना है कि हमारे कर्मचारियों की सेहत हमारी प्राथमिकता है। इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से, हम स्वस्थ कार्य वातावरण को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के स्वास्थ्य की देखभाल करना और उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम में ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, कोलेस्ट्रॉल, रक्त जांच, शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण, गुणात्मक मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन, पोषण सलाह और अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतकों की जांच की गई। इंस्टिट्यूट आगे भी इस तरह के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है।

श्री खेतेश्वर महाराज की 113वीं जन्म महोत्सव सम्पन्न

जगदीश पुरोहित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री संत खेतेश्वर महाराज की 113वीं जन्म कल्याणक महोत्सव ₹श्री संत खेतेश्वर महाराज चौकर₹ जो कालबादेवी रोड व जूनी हनुमान गली के चोराहे पर स्थित है, भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संत श्री महाराजजी के मानचित्र पर माल्यार्पण निवर्तमान नगरसेवक आकाश राज पुरोहित एवं आदर्श होटेल्स समूह के जगदीश पुरोहित ने किया। महाराष्ट्र विधानसभा के पूर्व केबिनेट मंत्री राज के पुरोहित ने दीप प्रज्वलीत कर श्री खेतेश्वर महाराज की आरती एवं राजपुरोहित समृद्धि फाउंडेशन के अध्यक्ष हुकूमसिंह खिचन,ह्रश्री ब्रह्मधाम आसोतरा मंदिर न्यास के ट्रस्टी खेतसिंह मवडी ने फल एवं मिठाई का भोग लगाया। समाज के लोगों ने मिलकर खेतारामजी दाता की आरती गाई।

अखिल भारतीय 36 कौम एकता महासंघ के प्रेरणता राज के पुरोहित ने अपने वक्तव्य में समाज के लोगों से नशा का सम्पूर्ण रूप से बहिष्कार करने की अपील की। आदर्श ग्रुप परिवार के जगदीश पुरोहित ने ज्ञात कराया कि संत श्री खेताराम महाराज ने अपना जीवन समाज में एकता, भाईचारा, सहयोग एवं संस्कारों से भरा होने का प्रयत्न किया, जिसे हमें पूरा करना चाहिए। कार्यसम्राट पुर्व नगरसेवक आकाश राज पुरोहित ने महाराजजी द्वारा दिखाए हुए मार्ग पर चलकर ही हम तरक्की कर सकेंगे और इसी में हमारे सम्पूर्ण समाज का हित हैं। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के साथ-साथ राजपुरोहित समाज की कई प्रबुद्ध हस्तियों ने हिस्सा लिया, जिनमें प्रमुख थे मूलसिंह चांचोडी, मोहनसिंह नोवेल्टी मादा, अनराज नोरवा, मदनसिंह गुडलाई, रतनसिंह बारवा, उम्मीदसिंह पुनाडिया, तुलसीराम कैलाशनगर, राहुल जेरण, फूलचंद फूगणी, जोगसिंह सांकरणा, जयसिंह मूलेवा, अरविन्द कुमार बारवा, जगदीशसिंह बारवा, रेवंतसिंह तोलीयासर, व कई अन्य लोगों का समावेश रहा।

देश और समाज नशा मुक्त हो: पुर्व मंत्री पुरोहित

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा राहुल एजुकेशन: पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे

भायंदर(उत्तरशक्ति)। शिक्षा के क्षेत्र में राहुल एजुकेशन उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। श्री एल आर तिवारी डिग्री कॉलेज मीरा रोड के सेमिनार हॉल में आयोजित चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मीरा भायंदर वसई विरार के पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में मीरा रोड की एक विशिष्ट पहचान बन चुकी है, जिसका सारा श्रेय राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी को जाता है। शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक क्षेत्र में भी इनका अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने कहा कि इनके किसी भी कार्यक्रम में जाने पर पारिवारिक प्रेम की अनुभूति होती है। समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों में उद्योगपति भगवान गवई, आईआरएस अधिकारी मोहन राठौड़, फिक्की की उपाध्यक्ष सीमा सरोज का समावेश रहा। लल्लन तिवारी के अलावा राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल तिवारी, सह सचिव कृष्णा तिवारी, सीओओ उत्सव तिवारी भी विशेष रूप से समारोह में उपस्थित रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ संजय मिश्रा ने स्वागत भाषण किया। परीक्षा समन्वयक डॉ सई सावंत ने आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर राहुल एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ मयूर दुबे, लॉ कॉलेज की प्रिंसिपल एडवोकेट श्वेता चतुर्वेदी, राहुल कॉलेज आफ एजुकेशन के प्रिंसिपल डॉ फ्रांसिस वैद्य समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार खिलाड़ियों ने फेडएक्स केयर्स स्वयंसेवकों के साथ मुंबई में लेट्स रीड लाभार्थियों से मुलाकात की। फेडएक्स और यूनाइटेड वे मुंबई द्वारा समर्थित 'लेट्स रीड' पहल मुंबई, बैंगलोर और हैदराबाद में 1000 से अधिक बच्चों तक पहुंच चुकी है और पठन तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से समुदायों को मजबूत बना रही है।

जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन की स्वर्ण जयंती की तैयारी को लेकर अंधेरी में हुई बैठक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पद्मश्री स्वर्गीय नाना चुडासमा द्वारा स्थापित जायंट्स वेल्फेयर फाउंडेशन और अब विश्व अध्यक्ष शायना एनसी द्वारा संचालित इस संस्था का स्वर्ण जयंती समारोह इस बार भगवान श्री कृष्ण की पावन धरती मथुरा में होने जा रहा है।, ये कार्यक्रम इस वर्ष 19, 20 और 21 दिसंबर को होगा। इस सम्मेलन में भारत के अलावा विदेशों से भी डेलीगेट्स के आने की उम्मीद है।

इस सम्मेलन को काम्याब बनाने के लिए रविवार की शाम को अंधेरी पूर्व में द्वितीय कौंसिल मीटिंग आयोजित की गई, जिसका आयोजन फेडरेशन 1-ए की प्रेसिडेंट पूनम रावल और उनकी टीम द्वारा किया गया। श्रीमती पूनम रावल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मथुरा का सम्मेलन काम्याब करने के उद्देश्य से ये मीटिंग आयोजित की गई थी। इस संस्था की जिम्मेदारी श्री शायना एन सी के कर-कमलों में है और वह इस संस्था को और भी आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। ये संस्था मानव कल्याण के लिए हर क्षेत्र में अपना भरपूर योगदान दे रही है। इस मौके पर जायंट्स के डिप्टी वर्ल्ड चेयरमैन एस.पी. चतुर्वेदी इस मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए मथुरा से खासतौर से आए थे। उन्होंने बताया कि तीन दिन के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भोजपुरी फिल्मों के मशहूर कलाकार और सांसद मनोज तिवारी के उपस्थित रहने की संभावना है। इसी के साथ स्थानीय भाजपा सांसद एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी इस कार्यक्रम मौजूद रहेंगी। चतुवेर्दी ने सदस्यों से अपील की कि सभी लोग सम्मेलन में आने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन जल्द से जल्द कराएं।द्वितीय कौंसिल की मीटिंग में डिप्टी वर्ल्ड चेयरमैन पी.सी.जोशी, डिप्टी वर्ल्ड चेयरमैन नूरुद्दीन सेववाला, कंवेंशन को-ऑर्डिनेटर शरमिष्ठा शाह और एडमिनिस्ट्रेटिव हेड वीरेंद्र आयर उपस्थित रहे। इस अवसर इन सभी अतिथियों ने इस सम्मेलन के विषय में अपने-अपने विचार रखे।कार्यक्रम का संचालन रशीदा मैमून ने किया, जबकि राजेश कुमार गुप्ता ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कौंसिल मेम्बर हरीश रावल का योगदान बड़ा सराहनीय रहा। इस मौके पर हसन लोखंडवाला फेडरेशन डायरेक्टर यूनिट-1 के अलावा जायंट्स से जुड़े सभी सम्मानित आफि सबेयरर्स, कौंसिल मेंबर्स और ग्रुप प्रेसिडेंट मौजूद थे। इस कार्यक्रम के आरंभ में जायंट्स की स्वर्गीय श्रीमती मुनीरा नाना चुडासमा को श्रद्धांजलि दी गई । इस कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान से किया गया।

भारत की पहली कोडिंग यूजी प्रवेश परीक्षा 'कोडिंग ऐनसैट' की घोषणा

मुंबई। न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी ने कोडिंग और फंडामेंटल प्रोग्रामिंग स्किल्स कौशल पर केंद्रित भारत की पहली यूजी प्रवेश परीक्षा- कोडिंग ऐनसैट की घोषणा की है। पारंपरिक परीक्षाओं के विपरीत -जिनमें भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में गहन ज्ञान की आवश्यकता होती है- कोडिंग ऐनसैट व्यावहारिक कोडिंग क्षमताओं का मूल्यांकन करता है, जो न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रवेश के लिए एक अनूठा वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। रियल-वर्ल्ड प्रॉबलम को हल करने और प्रोग्रामिंग दक्षता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह कोडिंग ऐंट्रेंस पारंपरिक शैक्षणिक अंकों के बजाय कौशल और क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करेगा जिससे विद्यार्थियों को अपने कौशल को और बढ़ाने का अवसर हासिल होगा। इच्छुक टेक्नोलॉजिस्ट और विद्यार्थी सोनीपत, पुणे व बैंगलोर के कैम्पस में न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। यूजी प्रवेश के लिए अपनी तरह की यह पहली प्रवेश परीक्षा व्यावहारिक प्रोग्रामिंग के उत्साही विद्यार्थियों के लिए एक इनोवेटिव राह प्रदान करती है, जो कॉन्सेप्ट्स को रटने की बजाय व्यावहारिक कौशल पर जोर देती है। इसे उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है जिन्होंने पारंपरिक विषयों की तुलना में कोडिंग के लिए ज्यादा वक्त दिया है, यह पारंपरिक जेईई का एक विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और ज्यादा समावेशी तथा स्किल-ओरिऐंटेड तरीके से अपनी आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के काबिल बनाता है। न्यूटन स्कूल के सह-संस्थापक सिद्धार्थ माहेश्वरी ने कहा, एनएसटी में, हम कोडिंग के प्रति उत्साही लोगों की पहचान करते हैं, उन्हें इंडस्ट्री के मुताबिक कोडिंग पाठ्यक्रम के साथ पेशेवर शिक्षा और करियर के लिए एक तय रास्ता प्रदान करते हैं जो रियल-वर्ल्ड ऐप्लीकेशंस के अनुसार होता है। कोडिंग ऐनसैट नतीजों से चलने वाली शिक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। इसमें टैक इंडस्ट्री के लिए महत्वपूर्ण कौशल की परख की जाती है जैसे एल्गोरिद्म बनाना और कोड को डीबग करना। न्यूटन स्कूल का मानना है- शिक्षा को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को प्रतिबिंबित करना चाहिए, न कि पुराने अकादमिक फामुर्लों को और कोडिंग ऐनसैट न्यूटन स्कूल के इसी कॉन्सेप्ट का प्रमाण है। परीक्षा के पाठ्यक्रम में अंकगणित, इनपुट और आउटपुट, लैंग्वेज बेसिक्स, कोडिंग सिंटैक्स, बेसिक फंक्शन, इफ-ऐल्स स्टेटमेंट्स, लूप्स, अरे और स्ट्रिंग जैसे विषय शामिल होंगे। कुल 26 प्रश्नों को 2 खंडों में विभाजित किया गया है, यानी कोडिंग और टउद, सवालों की टोटल वेटेज 150 अंक होंगे, जिसमें सीखने की क्षमता, स्यूडोकोडिंग और कोडिंग सेक्शन शामिल हैं। टउद प्रश्न कुल 80 अंक के होंगे, जिसमें निगेटिव मार्किंग भी शामिल है ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पृथ्वी की रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्यः प्रो.ध्रुवसेन सिंह

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ना होगाः प्रो.वंदना सिंह

विश्व पृथ्वी दिवस 2025 के अवसर पर 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' विषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, उत्तर प्रदेश के अंतर्विषयक ऊर्जा एवं जल शोध संस्थान, भू एवं ग्रहीय विज्ञानविभाग एवं लोक दायित्व, आजमगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस 2025 के अवसर 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' विषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय,लखनऊ के भू विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ध्रुवसेन सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति प्रकृति की रक्षा का संदेश देती है। सभी ग्रहों में पृथ्वी पर ही जीवन है। इस ग्रह को मानव के क्रियाकलापों सेही सबसे बड़ा खतरा है। पृथ्वी के अलावा कोई ऐसा ग्रह नहीं है जो हमारे घर की तरह हो इसकी रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम पानी बना नहीं सकते तो निरंतर प्रदूषित करने का अधिकार नहीं है। भारत मेंनदियों को माँ का दर्जा दिया गया. इसके किनारे सभ्यता और संस्कृति का विकास हुआ है। उन्होंने जल, वायु और स्थल मंडल को प्रदूषण मुक्त रखने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा किप्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ाना होगा। यह जीवाश्म ईंधन कीतुलना में एक बेहतर विकल्प है और प्रदूषण से मुक्ति दिलाएगी। अध्यक्षी यसंबोधन में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि हम न केवल अपने विचारों में बदलावलाएं, बल्कि अपने कार्यों, शोध और नवाचारों मेंभी बदलाव लाएं ताकि हम पृथ्वी को एक संवेदनशील, स्वच्छ और सतत दिशा में आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जो नकेवल आज के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित और टिकाऊ है। उन्होंनेकहा कि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर, पवन, औरजल विद्युत की ओर तेजी से बढ़ना होगा। वक्तालोक दायित्व, आजमगढ़ के संयोजक पवनकुमार सिंह ने कहा कि धरती का बुखार बढ़ रहा है। धरती को पौधों की हरी चुनरी से ढकना होगा और उसके माथे पर पानी की पट्टी लगानी होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरामें सूर्य की उपयोगिता की बेहतर समझ थी उसे देव कहा गया। आज सूर्य की इस ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ा कर पृथ्वी को सुरक्षित रख सकते है। इससे कोई प्रदूषण नहीं होता है। डीएएडी, प्राईम फेलो कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी के डॉ. आशीष कुलकर्णी ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने वैज्ञानिक दृष्टि से प्रकृति को देखा और उसके संरक्षण के सन्देश भी दिए। उन्होंने उच्च दक्षता के सोलर सेल बनाये जाने पर व्याख्यान दिया. कहा कि आने वाले समय में सौर ऊर्जा भविष्य है। अंतर्विषयक जल एवं ऊर्जा अनुसंधान केन्द्र शोध के संयोजक प्रो.गिरिधर मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया।वेबिनारका संयोजन डॉ.शशिकांत यादव, संचालन डॉ. धीरेन्द्र चौधरी एवं धन्यवाद् ज्ञापन डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. राम नारायण,प्रो. देव राज, डॉ.श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. पुनीत धवन, डॉ.जगदेव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी,डॉ. मनोज पाण्डेय, डॉ नितेश जायसवाल समेत अन्य ने प्रतिभाग किया।

नाबालिग संग सामूहिक दुष्कर्म, हालत गंभीर

जौनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः गैंगरेप मामले के 5 वांछित व 4 सह अभियुक्त 4 घंटे में गिरफ्तार

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में सोमवार की देर रात एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म मामले में थाना शाहगंज पुलिस टीम, जनपदीय एसओजी, स्वाट व सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गैंगरेप के मामले में वांछित 5 मुख्य अभियुक्तों और 4 सह अभियुक्तों को महज 4 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जौनपुर के नेतृत्व में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं नगर के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्वेक्षण में गठित कुल पांच टीमों को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए रवाना किया गया। प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस को पता चला कि सभी अभियुक्त एक सुनसान इमारत में एकत्र होकर भागने की योजना बना रहे हैं। इस पर पुलिस ने त्वरित घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही अभियुक्त बिल्डिंग की छत से कूदकर भागने लगे, जिससे कुछ को चोटें आईं। घायल अभियुक्तों का इलाज तत्काल अस्पताल में कराया जा रहा है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से मोबाइल फोन समेत अन्य सामग्री भी बरामद की है। गिरफ्तार सभी 5 मुख्य अभियुक्त एवं 4 सह अभियुक्त किशोर (जुवेनाइल) हैं, इसलिए उनके नामों का खुलासा नियमों के अनुसार नहीं किया गया है।

परियोजना की टीम ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा नामित परियोजना की टीम के द्वारा विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया वहीं निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम उपनिदेशक समग्र शिक्षा माध्यमिक दीपचंद व परियोजना सलाहकार समग्र शिक्षा राजेश मिश्रा की टीम कंपोजिट विद्यालय सिरकिना पहुंची इसके उपरांत जूनियर हाई स्कूल सिंगरामऊ तत्पश्चात अभिनव इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय पुरानी बाजार में पहुंचकर सबसे पहले बच्चों की उपस्थिति नामांकन शिक्षक डायरी साफ सफाई को देखते हुए कक्षा 1 से लेकर कक्षा 5 तक के बच्चों से मौखिक प्रश्न पूछे वही जिसका सही जवाब मिलने पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका तथा राज्य पुरस्कार से सम्मानित डॉ विभा शुक्ला के साथ-साथ अध्यापकों की सराहना करते हुए प्रसन्नता जताए। टीम के द्वारा विद्यालय में बच्चों के लिए बनने वाले मध्यान भोजन के बारे में बच्चों से जानकारी लेते हुए रसोई घर में पहुंचकर बन रहे भोजन का अवलोकन किया। इसके बाद कस्तूरबा विद्यालय तथा पीएम श्री विद्यालय मुरादपुर कोटिला टीम पहुंची जहां पर नामांकन शिक्षकों एवं बच्चों की उपस्थिति शिक्षक डायरी शिक्षण योजना साफ सफाई विद्युतीकरण कायाकल्प के 19 पैरामीटर सहित आदि का बारीकी के साथ निरीक्षण किए। आई हुई परियोजना टीम के द्वारा किसी विद्यालय पर बच्चों की उपस्थिति कम तो कहीं नामांकन संख्या को देखते हुए नाराजगी जताए।

संत निरंकारी मिशन द्वारा मानव एकता दिवस पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आध्यात्मिकता ही मानव एकता को मजबूती दे सकती है तथा मानव को मानव के निकट लाकर आपसी प्रेम और सौहार्द का वातावरण बना सकी है। इसी मन्तव्य से सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के आशीर्वाद से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ह्यमानव एकता दिवसह्न का आयोजन 24 अप्रैल को होगा। भारतवर्ष के प्रत्येक ब्राँचों में श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होकर बाबा गुरबचन सिंह जी एवं मिशन के अनन्य भक्त चाचा प्रताप सिंह जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगें और उनके महान जीवन से प्रेरणा लेगें।यह जानकारी देते हुए स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने बताया कि 24 अप्रैल को मानव एकता दिवस के दिन मड़ियाहूं पड़ाव स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर जोन स्तरीय रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ है। इस शिविर में रक्तदान करने के लिए जनपद के 43 ब्रांचो से श्रद्धालु भक्त शामिल होंगे। जिसका समय प्रातः 9:00 बजे से 1:00 बजे तक है। इसके अतिरिक्त जनपद के सभी ब्रांचो पर सत्संग का भी आयोजन होगा।

इस रक्तदान शिविर में रक्त संग्रहित करने हेतु जिला अस्पताल (सदर) के प्रशिक्षित डाक्टर एवं टीम सम्मिलित होंगी। साथ ही देश के अन्य राज्यों में भी आयोजित रक्तदान शिविरों में स्थानीय अस्पतालों के डाक्टर एवं नर्स रक्त संग्रहित करने हेतु इस सेवा को निभाने के लिए तत्पर रहेंगे।संत निरंकारी मंडल के सचिव समाज कल्याण विभाग के प्रभारी जोगिंदर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि सतगुरु की असीम कृपा से इस वर्ष भी संपूर्ण विश्व के लगभग 500 से अधिक स्थानों पर संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जाएगा।जैसा कि सर्वविदित ही है कि युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी समाज कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। प्रत्येक भक्त के जीवन को वास्तविक रूप में एक व्यावहारिक दिशा प्रदान की जिसके लिए मानवता उनकी सदैव ही ऋणी रहेगी। निश्चित रूप में लोक कल्याण हेतु चलाया जा रहा यह अभियान निरंकारी सतगुरु की प्रदत्त सिखलाइयो को दशार्ते हुए एक दिव्य संदेश प्रेषित कर रहा है जिससे हर प्राणी प्रेरणा प्राप्त कर अपने जीवन को कृतार्थ कर रहा है।

25 हजार के ईनामी बदमाश के घर नोटिस चस्पा

थानाध्यक्ष ने लक्ष्मण विक्रम सिंह ने पिटवायी डुगडुगी

नौपेड़वा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष बक्शा लक्ष्मण विक्रम सिंह ने न्यायालय के आदेश पर 25 हजार रुपये के ईनामी अपराधी के घर पहुंचकर नोटिस चस्पा करते हुए डुगडुगी पिटवाया। सोमवार को थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी धर्मेन्द्र यादव पुत्र जंग बहादुर निवासी अभयचन्दपट्टी के खिलाफ थाने पर धारा 64, 351(2) में अभियोग दर्ज है। फरार वांछित आरोपी एवं 25 हजार के ईनामी के घर न्यायालय के आदेश के तहत तामिला पश्चात नोटिस चस्पा करके डुगडुगी पिटवाते हुये मुनादी करवायी।

1 मई से न्यायालय के समय में हुआ परिवर्तन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासनादेश संख्या-1302/तीन-85/सा०प्र०अनु0-53(1)/81, दि0-11. 04.1985 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत भीषण गर्मी व लू की तीव्रता के दृष्टिगत जनपद जौनपुर में दिनांक-01.05.2025 से 30.06.2025 तक अधोहस्ताक्षरी के अधीन सभी माल ए व फौजदारी के न्यायालय एवं उससे सम्बन्धित कार्यालयों का समय निम्नवत निर्धारित किया जाता है। न्यायालय का समय प्रातः 08:00 बजे से अपरान्ह 02:00 तक। (पूर्वान्ह 11:00 बजे से 11:30 बजे तक लंच का समय होगा) न्यायालय से सम्बन्धित कार्यालय यथा, राजस्व अभिलेखागार एवं न्याय अभिलेखागार का समय प्रातः 07:30 से अपरान्त 02:30 बजे तक होगा। (पूर्वान्ह 11:00 बजे से 11:30 बजे तक लंच का समय होगा)जनपद के अन्य सभी कार्यालयों का समय यथावत रहेगा।

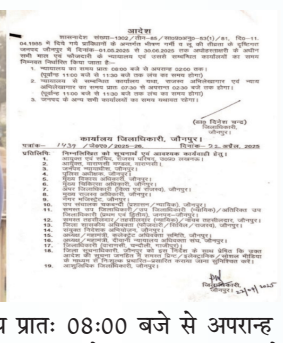

अभिषेक सिंह का आईएएस में चयन, क्षेत्र में खुशी की लहर

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के डुहिया गांव निवासी अखिलेश सिंह के होनहार पुत्र अभिषेक सिंह का प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा 2024 में आईएएस पद पर 78वीं रैंक से चयन होने की खबर से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों एवं शुभचिंतकों ने अभिषेक सिंह के आवास पर पहुंचकर उन्हें मिठाई खिलाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर हर्षपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर गांव के लोगों ने उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि अभिषेक ने न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे गांव और जनपद का मान बढ़ाया है।

गुमशुदा युवक को तलाश कर रहे ग्रामीण व परिजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के मलिकानपुर मूल निवासी हैं। भुवाल हरिजन पुत्र सुरज

कुमार हरिजन ग्राम मलिकानपुर थाना बक्शा जौनपुर का निवासी है। 19-4-2025 'रात 11 बजे प्रार्थि का लडका 'सूरज कुमार उम्र 28 वर्ष लम्बाई 5.6 इंच रंग गोरा पहनावा सफेद- टि-शर्ट और नीला पेंट पहले है। मोटर साइकिल हिरो होण्डा नं.यूपी 62 एनए5993 को लेकर घर से कही चले गये। घर वापस आये नहीं। सूरज का काफी खोज बिन किया गया लेकिन सूरज का पता नहीं चला पाया है।

`आपत्तिजनक फोटो वायरल करने का आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के निर्देशन में जनपद मे अपराध के रोकथाम के क्रम में चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर के कुशल पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष प्रियंका सिंह के कुशल मार्गदर्शन मे उ0नि0 पंचरतन राम मय हमराह द्वारा सोशल मीडिया (एक्स) पर अभिुक्त द्वारा आपत्तिजनक फोटो व टिप्पणी वायरल करने पर तत्काल कार्यवाही करते हुए मु0अ0सं0 46/2025 धारा 351(2) बीएनएस व 67 आई0टी0 एक्ट थाना पवारा जनपद जौनपुर से सम्बन्धित आरोपी धीरज यादव पुत्र रमाशंकर यादव निवासी ग्राम बोडे का पुरा थाना मुँगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही किया जा रहा है।

आर्म्स एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन में शासन द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियो पर रोक लगाने व वाछिंत गिरफ्तारी के विरूद्ध अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा जनपद जौनपुर महोदय के पर्यवेक्षण में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-228/2025 धारा-3/25 आर्म्स एक्ट थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर से सम्बन्धित आरोपी भक्कू पुत्र जुमराती निवासी ढ़ढ़वारा खुर्द थाना शाहगंज जनपद जौनपुर को दिनांक-22.04.2025 को गिरफ्तार किया गया। जिसको थाने पर लाकर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर आरोपी उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है।

कनपटी पर गोली लगने से ज्ञानदीप स्कूल के मालिक के बेटे की मौत, जाँच में जुटी पुलिस

डॉ.एस.के. मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर थाना क्षेत्र के चांदमारी इलाके में हाईस्कूल के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में कनपटी पर गोली लग गई। जिससे हड़कंप मच गया। आसपास जुटे लोगों ने पुलिस को फोन कर मौके पर बुलाया। सूचना पर पहुंची पुलिस छात्र को सिंह मेडिकल लेकर गई। जहां डॉक्टरों ने बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।घटनास्थल पर अपर पुलिस आयुक्त राजेश कुमार सिंह समेत पुलिस के अन्य अफसर पहुंच गए हैं। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया।छात्र की पहचान ज्ञानदीप स्कूल के मालिक आरबी सिंह के बेटे हेमंत सिंह के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि पिस्टल उसके पिता की थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ऊढ वरुणा प्रमोद कुमार के अनुसार छात्र को गोली लगी, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब परिजन छात्र को ट्रॉमा सेंटर छात्र को लेकर पहुंचे तो यहां पर डॉक्टर ने जांच पड़ताल के बाद मृत घोषित कर दिया गया।डीसीपी ने बताया कि मामले की जांच जारी है। कमरे के बाहर सीसीटीवी लगा हुआ था, लेकिन भीतर नहीं लगा हुआ था।

अज्ञात युवक की ट्रेन से कट कर हुई मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वाराणसी फैजाबाद रेलवे प्रखंड स्थित जफराबाद रेलवे स्टेशन के यार्ड में एक अज्ञात युवक की किसी ट्रेन की चपेट में आकर कट जाने से मौत हो गई जीआरपी ने लाश को कब्जे में लिया और नियमानुसार 72 घंटे के लिए जिला अस्पताल के मर्चरी घर में रखवाने के बाद मृतक की पहचान करवाने हेतु जुटी हुई है।

व्यापारियों के हित की लड़ाई लड़ते थे स्व.रणजीत मौर्यः संजय विश्वकर्मा

चौथी पुण्यतिथि पर व्यापार मण्डल ने दी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के उद्योग व्यापार मण्डल की मजबूत आवाज और व्यापारियों के हितों की लिए सदैव संघर्षरत रहे स्व. रणजीत मौर्य की चौथी पुण्यतिथि उनके आवास पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर उद्योग व्यापार मण्डल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नगर के गणमान्य जनों और व्यापारियों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वर्तमान नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय विश्वकर्मा ने पूर्व व्यापार मंडल स्व. रणजीत मौर्य के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे वर्ष 2003 से 2019 तक उद्योग व्यापार मण्डल के नगर अध्यक्ष पद पर रहे। इस दौरान उन्होंने न केवल व्यापारियों की समस्याओं को शासन-प्रशासन के सामने मजबूती से रखा, बल्कि उनके हक की लड़ाई में भी अग्रणी भूमिका निभाई। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने उन्हें निडर, मुखर और व्यापारी समर्पित नेता बताते हुए कहा कि उनका संघर्ष हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में गौरव मौर्य, जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, पंकज मौर्य, रामनरायन मौर्य, चन्द्रजीत मौर्य, दिनेश मौर्या, कुंदन मौर्य सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव मुनव्वर अहमद ने किया।

रेप केस में जेल गये 14 आरोपियों के परिजन पहुंचे पीएम कार्यालय, पीड़िता की सहेली ने दिया बड़ा बयान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी जिले के लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र की 19 वर्षीय युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में जेल गए युवकों के परिजन मंगलवार को पीएम के जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे। भारी संख्या में लोगों को पीएम कार्यालय पहुंचने की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और गुरुधाम चौराहे पर ही लोगों को रोक दिया गया। हालांकि बाद में कार्यालय जाने दिया गया। जेल भेजे गए 14 आरोपियों के परिजनों के साथ पीड़िता की सहेली ने जवाहर नगर एक्सटेंशन स्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंपर्क कार्यालय में पहुंचकर एसीपी भेलुपुर को ज्ञापन सौंपा। बता दें कि आरोप है कि गत 29 मार्च से 3 अप्रैल के बीच 12 नामजद और 11 अज्ञात आरोपियों ने 19 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। इस मामले में लालपुर पांडेयपुर थाने की पुलिस ने 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। एफआईआर के अनुसार दुष्कर्म के बाद युवती लंका, हुकुलगंज, नदेसर, मलदहिया, सिगरा आईपी मॉल के पास, अस्सी घाट, चौकाघाट, औरंगाबाद और दो होटल के बाहर छोड़ी गई थी। वह दो बार अपनी सहेली के घर गई थी।

विधिक साक्षरता/जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशांत कुमार सिंह की देख-रेख में कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशांत कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि उ0 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के एक्शन प्लान वर्ष 2025-2026 के निदेर्शानुसार एवं, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर अनिल कुमार वर्मा के निर्देशन में ''विश्व अर्थ दिवस'' के विषय पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशांत कुमार सिंह, जौनपुर की देख-रेख में ''होली चाइल्ड रूहट्टा उमरपुर, जौनपुर'' में विधिक साक्षरता/जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर को सम्बोधित करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर द्वारा बताया गया कि पृथ्वी दिवस एक वार्षिक आयोजन है जिसे 22 अप्रैल को दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित किया जाता है। इसकी स्थापना अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने 1970 में एक पर्यावरण शिक्षा के रूप की थी। अब इसे 192 से अधिक देशों में प्रति वर्ष मनाया जाता है। पृथ्वी दिवस का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण है क्योकि इस दिन हमें ग्लोबल वार्मिग के बारे में पर्यावरणविदों के माध्यम से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का पता चलता है। पृथ्वी दिवस जीवन संपदा को बचाने व पर्यावरण को ठीक रखने के बारे में जागरूक करता है। जनसंख्या वृद्धि ने प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक बोझ डाला है। संसाधनों के सही इस्तेमाल के लिए पृथ्वी दिवस जैसे कार्यक्रमों का महत्व बढ़ गया है।

तहसीलदार सदर, सौरभ कुमार जौनपुर द्वारा बताया गया कि हर साल 22 अप्रैल के दिन पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। इसे पृथ्वी दिवस के नाम से भी माना जाता है। पृथ्वी दिवस मनाने का मकसद पर्यावरण संरक्षण की तरफ सभी का ध्यान खींचना और यह कोशिश करना है कि सभी पृथ्वी को खुशहाल बनाएं रखने में योगदान दें। साथ ही साथ केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करायी गयी। डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, जौनपुर डा0 दिलीप कुमार सिंह, बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि आप अपने जम्म दिवस पर कम से कम एक पौधा लगायें जिससे वातावरण सुरक्षित रहे। पृथ्वी को बचाने के लिए अन्य साधनों के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया।पैनल लॉयर देवेन्द्र कुमार यादव, द्वारा उ0 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की समस्त योजनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया।कार्यक्रम का संचालन प्रबन्धक अशोक रघुवंशी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नीलम सिंह, एडवोकेट मनोज वर्मा, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल अनुराग चौधरी पी0एल0वी0 शिवशंकर सिंह, सुनील कुमार, छात्र/छात्रायें व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

जफराबाद पुलिस ने शान्ति व्यवस्था भंग करने वाले 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व शान्ति व्यवस्था बनाए रखने हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जफराबाद के नेतृत्व में उ0नि0 संजय कुमार मय हमराह द्वारा विभिन्न विवादो मे 1.मो0 रफीक पुत्र स्व0मो0 इश्हाक नि0 उत्तरगांवा थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 49 वर्ष 2. मो0 शरीफ पुत्र स्व0 मो0 इश्हाक नि0 उत्तरगांवा थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 50 वर्ष 3.मो0 जुनैद पुत्र मो0 रफीक नि0 उत्तरगांवा थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 23 वर्ष 4.मो0 हाशिम पुत्र मो0 शरीफ नि0 उत्तरगांवा थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 20 वर्ष द्वारा मु0अ0सं0 73/25 की वादिनी सईदुनिशा प त्नी स्व0इश्हाक नि0 उत्तरगांवा का रूम ताला तोड़कर कब्जा कर लेने तथा 1. बजरंगी पुत्र जियालाल निषाद नि0 कलन्दरपुर थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब-35 वर्ष द्वारा अपनी माता से पारिवारिक विवाद को लेकर विवाद करने व मनीष यादव पुत्र रामभेज यादव नि0 समोपुर कला थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब-35 वर्ष द्वारा नशे की हालत में बुद्धिराम मौर्या पुत्र स्व0मेवालाल नि0 पिण्डरा से वाद विवाद को लेकर शान्ति व्यवस्था भंग की आशंका के दृष्टिगत कुल 06 नफ आरोपीगण को अन्तर्गत धारा 170 बीएनएसएस मे गिरफ्तार कर चालानी रिपोर्ट अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस न्यायालय भेजा जा रहा है।

अमॉव में स्थित महाकालेश्वर मंदिर का घंटा हुआ चोरी

प्रेम चंद मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर विकासखंड सुजानगंज , पोस्ट मधुपुर, थाना मुंगराबादशाहपुर , ग्राम अमॉव स्थित महाकालेश्वर मंदिर अवस्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर का 51 किलो का घंटा दिनांक 17 / 18 अप्रैल 2025 की रात को चोरी हो गया था। मुंगरा बादशाहपुर थाना में एफआईआर दर्ज कर दिया गया था । लेकिन अभी तक पुलिस प्रशासन की तरफ से कोई संतोष जनक प्रति उत्तर नहीं प्राप्त हुआ है। यह सिर्फ चोरी का ही मामला नहीं है आस्था से जुड़ा मुद्दा है । जब धर्म स्थल ही सुरक्षित नहीं है, तो आम जनमानस कैसे सुरक्षित रहेगा । इस तरह की उदासीनता चोरों को और चोरी करने को प्रेरित करती है। आज तक कोई भी जनप्रतिनिधियों के तरफ से कोई आश्वासन नहीं मिला है । आशा करते हैं कि स्थानिय जन सेवक इस मुद्दा को संज्ञान में लेकर प्रशासन से पूर्ण रूप से चोरों को गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे डाला जाए जनप्रतिनिधियों से अनुरोध है इस मुद्दा को विशेष रूप से ध्यान दें। यह जानकारी कदम राज सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है ।

ट्रक ने बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर, पत्नी की मौत

कानपुर (उत्तरशक्ति)। शादी समारोह से बाइक से घर लौट रहे दंपती को बर्रा थानाक्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक ने साइड से टक्कर मार दी। चलती बाइक से गिरने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हैंडल ट्रक के पिछले हिस्से में फंसने से पति बाइक के साथ सड़क पर करीब सौ मीटर तक घिसटता चला गया। हादसे के बाद राहगीरों ने दौड़ाया तो चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल पति को अस्पताल में भर्ती कराकर पत्नी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बर्रा छह के सी-ब्लॉक निवासी विजय जोशी एक सिगरेट कंपनी में सेल्स सुपरवाइजर हैं। परिवार में पत्नी शिल्पी जोशी (39), एक बेटा देवांश और बेटी वैशाली हैं। परिजनों ने बताया कि सोमवार शाम करीब साढ़े आठ बजे शिल्पी और विजय बाइक से पड़ोसी की बेटी की शादी के समारोह में शामिल होने के लिए बर्रा दो स्थित पुष्पांजलि गेस्ट हाउस गए थे। रात करीब 11 बजे दंपती घर के लिए निकला। सचान गेस्ट हाउस चौराहे के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक बाइक से टकरा गया। इससे बाइक सवार शिल्पी की सड़क पर गिरकर मौत हो गई। वहीं, बाइक का हैंडल ट्रक के पिछले हिस्से में फंस गया जिससे वह करीब सौ मीटर तक घिसटता चला गया। हादसे में विजय का पैर टूट गया। वहीं, शरीर पर रगड़ने से गंभीर चोट आ गई।

चौकी इंचार्ज ने चाय विक्रेता को बेरहमी से पीटा

अलीगढ़ (उत्तरशक्ति)। अलीगढ़ के हरदुआगंज की तालानगरी चौकी के प्रभारी दरोगा पर चौराहे के चाय विक्रेता की पिटाई करने, जिससे उसका कान जख्मी होने का आरोप है। इस मामले में पीड़ित दुकानदार ने 21 अप्रैल को एसएसपी से शिकायत की है। जिसमें यह भी आरोप है कि अब दरोगा दुकान तक नहीं खुलने दे रहा। मामला इसी माह की 16 तारीख का है। यहां तालानगरी के यूपीसीडा चौराहा पर स्थित दुकान में प्रमोद तिवारी निवासी मधुर एन्कलेव चाय की दुकान चलाता है। प्रमोद तिवारी के अनुसार इसी दुकान से वह अपने माता, पिता, बहन व परिवार का पालन पोषण करता है। वाकये की शाम दुकान के पास कुछ युवकों में झगड़ा हुआ था। एक फायर होने की आवाज भी सुनी गई। इसी बीच वहां दरोगा व उनके साथ कुछ सिपाही आए। उन्होंने आते ही पूछा कि तुमने फायर की आवाज सुनी थी। इस पर प्रमोद ने हां में जवाब देते हुए कहा कि सुनी थी। आरोप है कि बस इसी बात पर दरोगा ने कहा कि तेरे कान बहुत सुनते हैं। इसके बाद उसे थप्पड़ों से जमकर पीटा। इसके बाद दुकान बंद कराकर चले गए। पिटाई के बाद वह थाने भी गया। मगर उसकी वहां नहीं सुनी गई। रात में उसके कान में दर्द हुआ तो दीनदयाल अस्पताल जाकर दवाई ली। अगली सुबह जांच में कान में गंभीर चोट होने की बात कह दी। अब वह उपचार करा रहा है। साथ में उसकी दुकान भी नहीं खुलने दी जा रही।

एटीएस टीम ने सिम धोखाधड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। एटीएस वाराणसी और रानी की सराय थाने की पुलिस की संयुक्त पुलिस टीम ने मंगलवार को सिम धोखाधड़ी और अवैध टेलीफोन एक्सचेंज संचालित करने वाले एक आरोपी को रानी की सराय के कोटिल गांव स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी हस्सान अहमद रानी की सराय थाना क्षेत्र के कोटिला गांव का निवासी था। आरोपी हस्सान अहमद अंतरराष्ट्रीय वीओआईपी (वीओआईपी) कॉल को स्थानीय कॉल में परिवर्तित कर सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचा रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि कोटिला गांव में सिम बॉक्स के जरिए अवैध टेलीफोन एक्सचेंज चलाया जा रहा है। इस सिस्टम के माध्यम से वीओआईपी कॉल को लोकल वॉयस कॉल में बदला जाता था, जिससे कॉल करने वाले की पहचान छिपी रहती थी और उसे ट्रेस करना मुश्किल हो जाता था। इस गतिविधि से भारत सरकार को बड़े पैमाने पर राजस्व की हानि हो रही थी। मंगलवार को दिन में करीब 11.50 बजे पुलिस ने हस्सान अहमद के घर पर छापेमारी की और उसके कब्जे से चार सिम बॉक्स, तीन मॉडम (चार्जर सहित), चार इथरनेट केबल, दो लैपटॉप (चार्जर सहित), चार कीपैड मोबाइल फोन, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 269 मोबाइल सिम कार्ड बरामद किए। एटीएस की पूछताछ में हस्सान ने बताया कि वह 2017 में मुंबई में शहजाद नामक व्यक्ति से मिला था। सितंबर 2023 में शहजाद ने डीटीडीसी कूरियर के जरिए सिम बॉक्स और सिम भेजे। शहजाद के निर्देश पर उसने सिम बॉक्स संचालित करना शुरू किया और समय-समय पर उसे पैसे यूपीआई के माध्यम से मिलते थे। सिम बॉक्स की आईपी, आईडी और पासवर्ड भी शहजाद की ओर से दिया गया था। आरोपी हस्सान अहमद ने बताया कि शहजाद ने उसे मोबाइल पर फोन कर सिम बॉक्स चलाने की जानकारी दी। इसके बाद से वह अलग-अलग समय पर सिम बॉक्स चलाना शुरू किया था। इसके बाद शहजाद और सिम बॉक्स व सिम भेजता गया और वह उसके बताने के अनुसार चार सिम बॉक्स चला रहा था। बताया कि समय-समय पर शहजाद की ओर से अलग-अलग खातों से पैस यूपीआई के माध्यम से उसे पैसा भेजा जाता था। सिम बॉक्स संचालित करने के लिए शहजाद की ओर से उसे सिम बॉक्स की आईपी भेजी जाती थी। बताया कि सिम बॉक्स के माध्यम से फोन करने वाले व्यक्ति के बारे में किसी भी तरीके से पता नहीं किया जा सकता है ।

स्पर्श सीसीटीवी ने भारत में एसटीक्यूसी प्रमाणन के साथ नेतृत्व शुरू किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की अग्रणी सीसीटीवी कैमरा और इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा समाधान निमार्ता स्पर्श ने आज घोषणा की कि वह भारत की पहली कंपनी बन गई है। जिसने अपने सबसे विस्तृत सीसीटीवी उत्पाद पोर्टफोलियो के लिए एसटीक्यूसी (स्टैंडर्डाइजेशन टेस्टिंग एंड क्वालिटी सर्टिफिकेशन) प्राप्त किया है। यह उपलब्धि उस समय हासिल की गई है जब भारत सरकार ने 9 अप्रैल 2025 से सभी आईपी सीसीटीवी कैमरों की बिक्री के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणन अनिवार्य कर दिया है।

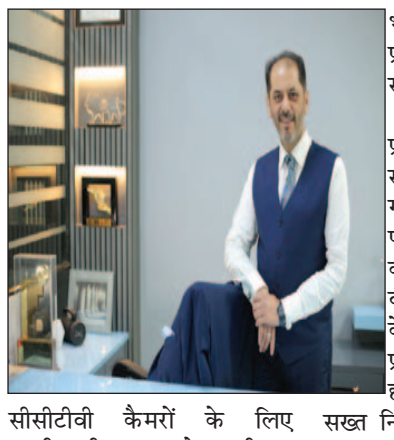

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि स्पर्श की गुणवत्ता, सुरक्षा और ₹आत्मनिर्भर भारत₹ की पहल के प्रति शुरूआती प्रतिबद्धता को दशार्ती है। जहां नए नियम अब सभी सीसीटीवी कैमरों के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणन को कानूनी रूप से आवश्यक बनाते हैं, वहीं स्पर्श का अग्रसक्रिय दृष्टिकोण इसे प्रमाणित समाधान प्रदान करने वाले पहले ब्रांड के रूप में स्थापित करता है, जिससे इसके ग्राहकों और भागीदारों को किसी भी प्रकार की रुकावट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

स्पर्श सीसीटीवी के प्रबंध निदेशक संजीव सहगल ने कहा, ₹स्पर्श को गर्व है कि वह विश्व की पहली सीसीटीवी निमार्ता कंपनी है जिसने अपने व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणन प्राप्त किया। यह प्रमाणन हमारे स्वदेशी डिजाइन, सख्त निर्माण मानकों और उच्च गुणवत्ता वाले सुरक्षित निगरानी समाधानों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जैसे-जैसे उद्योग इस नए नियामक परिदृश्य के अनुसार ढल रहा है, स्पर्श पहले से ही प्रमाणित उत्पादों की सबसे बड़ी श्रृंखला के साथ तैयार है।

स्पर्श की यह उपलब्धि झ अपने व्यापक सीसीटीवी उत्पादों के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणन झ यह सुनिश्चित करती है कि व्यवसाय, सरकारी संस्थाएं और आम उपभोक्ता निश्चितता के साथ एक भरोसेमंद भारतीय निमार्ता का चयन कर सकें, जिसके सभी उत्पाद पूरी तरह से अनुपालित और विश्वसनीय हैं। यह प्रमाणन विभिन्न अनुप्रयोगों और क्षेत्रों के लिए उपयुक्त कई प्रकार के आईपी कैमरों को शामिल करता है। यह विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अब पुराने या गैर-प्रमाणित कैमरे भारत में बिक्री के लिए अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं झ चाहे वह कॉर्पोरेट क्षेत्र हो, सरकारी खरीद हो या खुदरा ग्राहक।

खाना बनाते वक्त फटा सिलेंडर, मां और दो बेटियों की मौके पर मौत

बाराबंकी (उत्तरशक्ति)। बाराबंकी जिले के मसौली थाना क्षेत्र के जबरपुरवा गांव में रविवार शाम एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। गैस सिलेंडर फटने से लगी आग में मां और उसकी दो मासूम बेटियों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि बचाव के प्रयास में पिता और एक बेटा बुरी तरह झुलस गए। दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव निवासी राजमल विश्वकर्मा (37) अत्यंत गरीबी में अपने परिवार के साथ जीवन यापन कर रहे थे। रविवार शाम करीब 6 बजे उनकी पत्नी रिंकी (32) फूस के बने घर में चूल्हे पर खाना पका रही थीं। इसी दौरान गैस सिलेंडर से अचानक चिंगारी निकलने से आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पूरे घर को चपेट में ले लिया। भीषण आग और घने धुएं के कारण घर में मौजूद 9 माह की मासूम महक, 8 साल की बेटी शिवानी और मां रिंकी को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला और तीनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। अपनी पत्नी और बच्चों को आग में फंसा देख राजमल ने जान की परवाह किए बिना घर में घुसकर किसी तरह अपने तीन वर्षीय बेटे अनमोल को बाहर निकाला। हालांकि इस दौरान राजमल खुद भी गंभीर रूप से झुलस गए और उनके दोनों हाथ बुरी तरह जल गए। इस हृदयविदारक हादसे से पूरे गांव में मातम का माहौल है।

समाजसेवी जयकांत भाई हिरानी को पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने किया सम्मानित

कांदिवली, मुंबई। स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर समाज के लिए एक मिसाल और आधार बने प्रसिद्ध समाजसेवी तथा व्यवसायी जयकांत भाई हिरानी के जीवन के 75 वर्ष पूर्ण होने पर एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन कर उनके प्रयासों को वंदन तथा उनका अभिनंदन किया गया। इस आयोजन में प्रमुख अतिथि के रूप में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी उपस्थित थे। जैस्मिन बैंक्वेट हॉल, रघुलीला मॉल, पोईसर, कांदिवली-पश्चिम में आयोजित इस विशेष समारोह में जनसेवक गोपाल शेट्टी ने सत्कार मूर्ति जयकांत भाई हिरानी को शॉल और पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका सत्कार किया तथा उनके स्वस्थ्य और दीघार्यु होने की कामना की। जयकांत भाई की गौरवशाली उपलब्धियों में उनके होनहार सुपुत्र जिग्नेश हिरानी की भूमिका भी उल्लेखनीय और सराहनीय रही है । जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस अवसर पर जिग्नेश हिरानी की भी खुले मन से प्रशंसा की और उत्तरोत्तर प्रगति के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन में भारी संख्या में गणमान्य व्यवसायी और नागरिक उपस्थित थे।

उत्तर भारतीय संगम का रजत जयंती समारोह

मुंबई। मुलुंड की सामाजिक,सांस्कृतिक व धार्मिक संस्था ₹उत्तर भारतीय संगम₹ के स्थापना के 25 वर्ष पुर्ण होने पर रजत जयंती समारोह का आयोजन रविवार दिनांक 27.4.2025 को शाम 6 बजे से जी.एस.शेट्टी सेंट्रल हॉल,नेताजी सुभाष रोड,जवाहर टाकीज के पास,मुलुंड प.पर किया गया है। संगम के अध्यक्ष रमाशंकर तिवारी एवम संयोजक डॉ.बाबूलाल सिंह ने बतलाया है कि इस अवसर पर प्रमुख अतिथी के रूप में अबू आसीम आजमी अध्यक्ष समाजवादी पार्टी, विधायक, कांग्रेस नेता राकेश शेट्टी, समाजवादी पार्टी के नेता राजेन्द्र बहादुर यादव, दिनेश यादव,रफीक सैय्यद, बृजनाथ यादव उपस्थित रहेंगे। सुप्रसिद्ध लोकगीत गायक राजकुमार यदुवंशी गीत संगीत का मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। रमाशंकर तिवारी ने बतलाया है कि 25 वर्षों के सफर में उत्तर भारतीय संगम द्वारा उल्लेखनीय कार्यक्रम पंकज उधास नाइट, छोटे गुलाम अली, अनुप जलोटा, बप्पी लहरी नाइट, पुरवईया, बिरहा, कजरी महोत्सव का आयोजन महाकवि कालीदास हाल मुलुंड प. पर किया गया। कई वर्षों तक 10 दिनों की रामलीला का मंचन एयर कंडिशन कालीदास हाल पर आयोजित कर इतिहास बनाया। इस सफर में संगम के मंच पर पुर्व केन्द्रीय मंत्री संतोष गंगवार वर्तमान राज्यपाल झारखंड, स्व.गुरूदास कामत, सांसद अबुआसीम आजमी, नरेश उत्तम पटेल, संजय दीना पाटील, मनोज कोटक, पुर्व राज्य मंत्री स्व. वंशनारायण पटेल, कृपाशंकर सिंह, विधायक स्व. सरदार तारा सिंह, मिहिर कोटेचा, पुर्व महापौर स्व.आर.आर.क्षसिंह का सम्मान किया गया।

बगीचे में सो रहे सपेरों के परिवार को पिकअप ने रौंदा

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दर्दनाक हादसा हुआ है। औद्योगिक क्षेत्र थाना इलाके के रामपुर गांव में सोमवार रात बगीचे में सो रहे सपेरों के परिवार को पिकअप ने रौंद दिया।

घटना में मौके पर बाप-बेटी की मौत हो गई, वहीं परिवार के दो अन्य लोग गंभीर घायल हो गए। बगीचे में मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना भेजा, साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बारा थाना क्षेत्र के लोहगरा जज्जीपुर गांव के रहने वाले जयनाथ पुत्र कैलाश नाथ अपने परिवार के साथ रामपुर क्षेत्र में कूड़ा बीनने का काम करते हैं। परिवार समेत सोमवार रात रामपुर गांव के सेहर अस्पताल के पीछे बगीचे में सो रहे थे। रात में बगीचे से जा रहे पिकअप ने सो रहे लोगों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। मौके पर बिरजू(27) पुत्र मौसम नाथ, उसकी पुत्री दिपासना (7) की मौत हो गई। वहीं सरदीप नाथ पुत्र जयनाथ और आफिसर पुत्र कैलाश नाथ घायल हो गए।

वाराणसी मे नवागत डीएम सत्येन्द्र कुमार ने अपना पदभार ग्रहण कर संभाला कार्यभार

सुरेश गांधी

वाराणसी। नवागत जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने मंगलवार को सायंकाल वाराणसी पहुंचकर कोषागार कार्यालय में अपना पदभार ग्रहण कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले उन्होंने बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ व बाबा कालभैरव मंदिर में विधि विधान से दर्शन-पूजन किया। सत्येन्द्र कुमार 2013 बैच के आइएएस हैं। डीएम सत्येन्द्र कुमार मूल रूप से बिहार के मधुबनी जनपद के रहने वाले हैं। 59वें जिलाधिकारी के रुप में अपना कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवागत डीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र को काशी विकास माडल के अनुरुप चमकाने की हरसंभव कोशिश करेंगे। इसके लिए समस्त काशीवासियों सहित मातहत अधिकारियों का सहयोग अपेक्षित है। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। पीड़ितों को त्वरित न्याय व विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराना भी उनकी प्राथमिकता में शामिल है।

सीनियर पत्रकार सुरेश गांधी से बातचीत के दौरान सीएम के विशेष सचिव रह चुके सत्येन्द्र कुमार कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। पीड़ितों को त्वरित न्याय व विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराना भी उनकी प्राथमिकता में शामिल है। नवागत जिलाधिकारी को वाराणसी के ही कमिश्नर बने निर्वतमान जिलाधिकारी एस राजलिंगम की मौजूदगी में पदभार ग्रहण किया। वह बाराबंकी के जिलाधिकारी के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। बतौर आइआरएस ये कोलकाता में असिस्टेंट कमिश्नर कस्टम, एक्साइज और सर्विस टैक्स के पद पर तैनात थे। महोबा, महराजगंज के जिलाधिकारी समेत कई पदों पर कार्य कर चुके हैं। उससे पहले देवरिया (2015-2016) और जौनपुर (2016-207) में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, बरेली (2017 से 2020) में मुख्य विकास अधिकारी और विशेष सचिव बेसिक शिक्षा रह चुके हैं।

उन्होंने बरेली में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर रहते हुए स्वयं प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाना शुरू किया, बल्कि स्कूल वालंटियर अभियान के माध्यम से लोगों को भी प्रेरित किया। उनकी पहल के बाद शिक्षित लोग समय निकालकर स्वयं सेवा के रूप में बच्चों को पढ़ाने के लिए आगे आए। आइएएस बनने से पहले ये भारतीय राजस्व सेवा में चयनित हुए थे। खास यह है कि लोकसभा चुनाव के दौरान पूरे प्रदेश में मतदान प्रतिशत के मामले में फर्स्ट डिवीजन प्राप्त करने के लिए उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने यह कीर्तिमान स्थापित करने के लिए दिन-रात एक कर दिया। उसी का परिणाम रहा कि 20 मई को 2615 बूथों पर मतदाताओं का हुजूम उमड़ा और सर्वाधिक 67.20 प्रतिशत रिकार्ड मतदान हुआ।

वे बरेली में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर तैनात रह चुके है। मनोरंजन सदन के प्राथमिक विधालय के निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि स्कूल में तैनात शिक्षक छुट्टी पर थे और बच्चों को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ही पढ़ा रहा था। इस स्कूल में 34 बच्चों का पंजीकरण है जबकि पढ़ने के लिए उस दिन सिर्फ नौ बच्चे ही उपस्थित थे। सीडीओ रहते हुए उन्होंने जब बच्चों से नाम लिखवाया तो स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में महज एक बच्चा ही अपना नाम लिख पाया। जिस पर सीडीओ ने खुद ही बच्चों पढ़ाने की ठानी और स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया। सीडीओ की पढ़ाई का असर भी दिखने लगा है पहले जो बच्चे अपना नाम नहीं लिख पाते थे अब वही बच्चे हिंदी और अंग्रेजी में अपना नाम लिखने लगे है। वे सप्ताह में तीन बार कार्यालय जाने से पहले बच्चों को पढ़ाने पहुंचते थे। यहां जिक्र करना जरुरी है कि वे भी सरकारी प्राइमरी स्कूल के छात्र रह चुके है। बता दें, वाराणसी में डीएम रहे एस. राजलिंगम को जिले का मंडलायुक्त बना दिया गया है। शासन की तरफ से जारी सूची के अनुसार कमिश्नर कौशल राज शर्मा को सीएम का सचिव बनाया गया है। कोषागार में सीडीओ हिमांशु नागपाल,एडीएम सिटी आलोक कुमार वर्मा, एडीएम प्रशासन विपिन कुमार, एडीएम एफआर वंदिता श्रीवास्तव, एडीएम प्रोटोकाल चंद्र प्रकाश, सीटीओ गोविंद सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संजीव मिश्रा की निधन से शोक की लहर

संजीव मिश्रा जैसे साधक कभी मरते नही: प्रेमभूषणमहराज

सिलीगुड़ी (उत्तरशक्ति)। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के यात्रा के 32 वर्षों से महत्वपूर्ण साथी रहे संजीव मिश्र 'व्यास' जी का अल्प काल की बीमारी से अचानक देहावसान हो गया। पूज्यश्री ने 'व्यास' जी के प्रति अपनी श्रद्धांजलि भेंट करते हुए इसे अत्यंत दुःखद घटना बतलाते हुए कहा कि, व्यास जी का अचानक इस संसार से साकेत लोक गमन कर जाना उनके परिजनों के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से हमारी और हमारे कथा प्रेमियों के लिए अपूरणीय क्षति है। काल की गति विचित्र है इसे कोई समझ नही पाता। जीव इस संसार में भगवान की इच्छा के अनुसार ही आता है गति करता है और पुनःइस लोक से विदा हो जाता है। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि, संजीव मिश्रा 'व्यास' जी अपनी संगीत साधना में कई लोकप्रिय भजनों और गीतों का गायन किया है। उन सभी भजनों और गीतों का हमने कॉपी राइट भी करवा रखा है, जिसके माध्यम से वे सर्वकाल हमारी स्मृतियों में अमर रहेंगे। संजीव मिश्रा' 'व्यास^ जी हारमोनियम की रीट से बाहर जाकर गाने की क्षमता रखते थे। पूज्यश्री के अनुसार रामकथा संजीवनी बूटी के समान है। ₹ आओ गायें रामकथा घर घर मेरे.. पूज्यश्री की इस संकल्प यात्रा में संजीव 'मिश्र' ने अमर कथा को अपनी संगीत साधना से सजाते-सजाते अमर हो गए।संजीव जैसे भक्तिपथ के पथिक ना तो कभी बूढ़े होते हैं और ना ही कभी मरते हैं। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के कृपापात्र शिष्य पूज्य राजन जी ने संजीव मिश्रा 'व्यास' जी को अपनी श्रद्धांजलि ज्ञापित करते हुए उनकी प्रतिभा और व्यवहार को अद्भुत और अविस्मरणीय बतलाया। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज की कथाओं के प्रमुख संगीत सारथी सुप्रसिध्द तबला वादक सियालाडली शरण जी (भाई जी) ने अपने शोक संदेश में कहा कि संगीत साधना और भजन की यात्रा में 32 वर्ष के सहयात्री रहे मेरे प्रिय साथी पंडित संजीव मिश्रा अल्पकाल की अस्वस्थता के बाद यूँ अचानक प्रभु धाम प्रस्थान कर गए। इस दुःखद संदेश से स्तब्ध हूँ। इस शोक की घड़ी में पूज्यश्री के हम रामजी के रामजी हमारे हैं सेवा ट्रस्ट परिवार मुम्बई के प्रधान गणेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह, सचिव अविनाश मिश्र, प्रचार-प्रसार मंत्री वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह, राजेश एस. सिंह,सुधाकर सिंह 'बिसेन, प्रभाकर सिंह (बब्लू), आर. डी. सिंह, अवनीश सिंह, विशाल सिंह (ननवग) विनय चौबे, सनी सिंह, अशोका तिवारी, रेखा गुप्ता, प्रिया सिंह, सुधा दूबे, निशा शर्मा, सरिता चौबे सहित विदेश भूमि पर सनातन को जीने वाले मॉरीशस भूमि से भारत वंशी इंतिश बाचू और उनके परिजनों सहित देश-विदेश के हजारों श्रद्धालुओं ने दिवंगत संजीव मिश्र 'व्यास' जी को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए उनके शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं ज्ञापित किया।

मजदूर का बेटा बना आईपीएस

शाहजहांपुर (उत्तरशक्ति)। तिलहर कस्बा के इमली मोहल्ले निवासी शकील अहमद ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 में 506 रैंक हासिल की है। मंगलवार को रिजल्ट घोषित होते उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। शकील दिल्ली में हैं। उन्होंने फोन पर परिजनों को बताया कि वह आईपीएस बन गए हैं। हौसले बुलंद हो तो सपने भी सच हो जाते हैं। ऐसी ही कहानी शाहजहांपुर के तिलहर कस्बा के इमली मोहल्ले निवासी शकील अहमद की है, जिनके पिता कभी अपने बच्चों को पालने के लिए मजदूरी करते थे। आज बेटे ने आईपीएस बनकर बुलंदी के शिखर को छुआ है। शकील ने यूपीएससी में 506 रैंक हासिल की है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित किया तो शकील के परिवार में जश्न का माहौल हो गया। हाजी तसब्बर हुसैन के छह बेटे और तीन बेटियां हैं। बड़ा परिवार होने के चलते तसब्बर कभी पोटरगंज मंडी में पल्लेदारी किया करते थे। धीरे-धीरे बेटे बड़े हुए और परिवार की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। परिवार बैटरी का कारोबार करता है। शकील के भाई सगीर ने बताया कि पूरे परिवार का सपना था कि उन लोगों में से कोई एक पढ़-लिखकर बड़ा मुकाम हासिल करे। सभी भाई-बहन ने पढ़ाई तो की लेकिन सबसे होशियार शकील ही था। इसी वजह से उसकी पढ़ाई कराने में सभी ने ताकत लगा दी। कक्षा आठ तक की पढ़ाई शकील ने तिलहर के कैंब्रिज स्कूल से की। इसके बाद नौंवी और दसवीं की पढ़ाई शाहजहांपुर के तक्षशिला पब्लिक स्कूल से की। अलीगढ़ में रहकर 12वीं की परीक्षा पास की। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई करने के बाद शकील दिल्ली चले गए।